मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष -10, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 173 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

08 दिसंबर 2023 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

23 अधिकतम

16 न्यूनतम

Page- 7

तीनों राज्यों के लिए हाईकमान ने बनाए पर्यवेक्षक, मप्र के लिए मनोहरलाल खट्टर

मुख्यमंत्री पर आई फैसले की घड़ीः पहले नाम पर बन गई सहमति, इसके बाद तय हुए पर्यवेक्षक !

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाजपा हाइकमान ने आज मप्र समेत राजस्थान व छत्तीसगढ में मुख्यमंत्री के नाम लगभग तय कर लिये हैं। हालांकि यह नाम कौन हैं यह लाख टके का सवाल और सस्पेंस बना हुआ है। इस मशक्क्त के पूरी होने के संकेत इससे मिले कि चेहरों पर सहमति के बाद भाजपा ने आज पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिये। अब माना जा रहा है कि ये मप्र व अन्य दोनों राज्यों में जाकर हाइकमान की *मंशा* के मुताबिक विधायक दल के नेता का चुनाव कराएंगे। मप्र के लिए हरियाणा सीएम मनोहर लाल खट्टर, के. लक्ष्मण, आशा लकड़ा को जिम्मेदारी दी गई है। जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और सरोज पांडेय को राजस्थान, छत्तीसगढ़ के लिए अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम को चुना गया है। ये पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक में विधायकों की राय लेंगे। एक सूत्र का कहना है कि यदि रायशुमारी में कोई और विकल्प उभरता है तो आलाकमान को रिपोर्ट देंगे। फैसला रविवार तक हो सकता है।

बताते हैं मप्र में प्रयोग को लेकर सोचविचार का दौर लंबा चला है, हाईकमान के सामने आधा दर्जन नाम रहे हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर व प्रहलाद पटेल के इस्तीफे के बाद काफी हद तक तस्वीर का अनुमान लगाया जा रहा है। मप्र में भाजपा मुख्यमंत्री समेत दो उप मुख्यमंत्री के फार्मूले पर भी आगे बढ सकती हैं। मप्र में शिवराज के बाद तोमर,पटेल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीडी शर्मा,कैलाश विजयवर्गीय भी रेस में हैं।

मोदी के चेहरे के बावजूद हार चुके 9 सांसद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा आगे कर हिंदीपट्टी में चुनाव मैदान में उतरी भाजपा ने तीन राज्यों में जीत तो हासिल की है मगर उसने जिन 21 सांसदों को टिकट दिया था। इनमें से 12 सांसद ही चुनावी लड़ाई जीतकर विधानसभा पहुंचने में सफल रहे,जबकि नौ सांसद ऐसे भी हैं जिनकी कश्ती डूब गई। इनमें से छह सांसद राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से हैं। जहां मोदी लहर पर सवार भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की है। छत्तीसगढ़ में भी जहां केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह और गोमती साय के साथ ही दो और सांसदों अरुण साव, विजय बघेल को भी चुनाव लड़ाया गया,मगर बघेल को छोड़कर बाकी तीन सांसद चुनाव जीते। तेलंगाना में बंदी संजय, अरविंद धर्मपुरी और सोयम बापूराव को चुनाव मैदान में उतारा, ये तीनों ही सांसद चुनाव हार गए,जबकि मप्र में निवास सीट से केंद्रीय इस्पात मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और सतना सीट से गणेश सिंह चुनाव हार गए हैं। राजस्थान में नरेंद्र कुमार, देवजी पटेल और भागीरथ चौधरी चुनाव हारे हैं।

राजस्थान में रिजार्ट पॉलिटिक्स से सनसनी

दूसरी तरफ वहीं राजस्थान में वसुंधरा राजे के तेवरों पर खास निगाहें हैं, वे दिल्ली में हैं और उनके समर्थक विधायक 70 के संख्याबल का दावा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पद के लिए यहां भाजपा किसे चुनेगी, इस पर सस्पेंस है। वसुंधरा ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है दोनों के बीच 80 मिनट बातचीत हुई। राजे के साथ उनके सांसद बेटे दुष्यंत भी मौजूद रहे। एक दिन पहले ही दुष्यंत पर रिजॉर्ट पॉलिटिक्स के आरोप लगे थे। वहीं, वसुंधरा को लेकर भी प्रेशर पॉलिटिक्स की चर्चा तेज रही। कोटा संभाग के पांच विधायकों को एक रिसॉर्ट में रखे जाने की खबरों ने हलचल पैदा कर दी है। भाजपा एमएलए ललित मीना के पिता हेमराज मीना ने दावा किया कि उनके नवनिर्वाचित विधायक बेटे को एक रिसॉर्ट में बंधक बनाकर रखा गया है। आरोप है कि पांच विधायकों को रिजॉर्ट में रखा गया था। इसके बाद विधायक ललित मीना को वहां से लाया गया। राजस्थान में वसुंधरा राजे, गजेंद्र सिंह शेखावत, अश्विनी वैष्णव, अर्जुनराम मेघवाल, ओमप्रकाश माथुर, बाबा बालकनाथ के नाम की भी चर्चा है।

लालदुहोमा ने ली शपथ

मिजोरम के चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाले जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा शुक्रवार सुबह 11 बजे सीएम पद की शपथ ली। उन्होंने बुधवार को ही राज्यपाल से मिलकर सरकार गठन का दावा पेश कर दिया था। जेडपीएम ने राज्य की 40 में से 27 सीटों पर जीत हासिल कर एमएनएफ और कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया था। पूर्व आईपीएस लालडुहोमा ने जोराम नेशनलिस्ट पार्टी नाम से एक दल बनाया, जिसके जरिए वे राज्य की राजनीति में सक्रिय हुए। वहीं दूसरी ओर, राज्य के पांच अन्य छोटे दलों के साथ लालडुहोमा की पार्टी ने गठबंधन कर लिया। जिसके बाद वह गठबंधन राजनीतिक पार्टी में तब्दील हो गया, जो 2017 में जेडपीएम (ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट) पार्टी के नाम से अस्तित्व में आया।

छोटी खबरें

तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर बाथरूम में गिरे

हैदराबाद एजेंसी। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस के प्रमुख को अपने फॉर्म हाउस में गिरने से चोट आई है। वे बीती रात एर्रावल्ली स्थित अपने फार्महाउस में गिर गए थे। उन्हें यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विधानसभा चुनावों में हार के बाद केसीआर एर्रावल्ली स्थित अपने फार्महाउस चले गए थे। उन्होंने दो दिन पहले पार्टी के विधायकों की बैठक भी अपने एर्रावल्ली स्थित अपने फार्महाउस पर ही ली थी। जानकारी के अनुसार पूर्व सीएम यशोदा अस्पताल में भर्ती हैं। उनके बाएं पैर में गंभीर चोट आई है। डॉक्टरों की टीम उनकी जांच रही है। शुरुआती रिपोर्ट में यह भी कूल्हे की हड्?डी टूट गई है।

जूनियर मेहमूद का निधन

मुंबई, एजेंसी। दिग्गज हास्य अभिनेता जूनियर महमूद का बीती रात 67 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। वे कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने पांच दशक तक हिंदी सिनेमा में काम किया और 250 से अधिक फिल्में की। दो हफ्ते पहले पता चला था कि वह स्टेज 4 के कैंसर से जूझ रहे हैं। बीती रात उनकी हालत बिगड़ गई थी । उनका निधन घर पर हुआ। जूनियर महमूद असल में नईम सैय्यद थे मगर बालीवुड में इसी नाम से जाना जाता है। उन्होंने 'कटी पतंग', 'मेरा नाम जोकर', 'परवरिश' और 'दो और दो पांच' सहित कई हिट फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बाल कलाकार के रूप में फिल्म %नौनिहाल% से की थी। 250 से अधिक फिल्मों में अभिनय करने के अलावा, अभिनेता ने कई मराठी फिल्मों का भी निर्माण किया। हाल में अभिनेता जॉनी लीवर और जितेंद्र भी उन्हें देखने घर पहुंचे थे

आईएएस - नेता की शादी में तीन लाख लोगों को न्यौता

चंडीगढ एजेंसी। राजस्थान कॉडर की आईएएस परी विश्नोई की हरियाणा के पूर्व चीफ मिनिटर चौधरी भजनलाल के पौत्र भव्य बिश्नोई से शाही शादी 22 दिसंबर को होगी। भव्य बिश्नोई आदमपुर से भाजपा विधायक हैं। इस शादी में तीन लाख से ज्यादा मेहमान शामिल होंगे। शादी के बाद नई दिल्ली, हरियाणा के आदमपुर व राजस्थान के पुष्कर में रिसेप्शन होगा। दिल्ली में होने वाले प्रोग्राम में केंद्रीय मंत्री व वीवीआईपी शामिल होंगे। पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने हिसार के आदमपुर में 55 गावों का दौरा कर लोगों को शादी का निमंत्रण दिया है।

रेपो रेट यथावत, शेयर बाजार में रौनक

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने आज मॉनिटरी पॉलिसी की बैठक के बाद रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर स्थिर रखने के फैसला का ऐलान किया तो शेयर बाजार भी झूम उठा। निफ्टी एक नया मुकाम हासिल करते हुए पहली बार 21000 के आंकड़े पर पहुंचा। वहीं सेंसेक्स में भी गजब की तेजी देखने को मिली, वह करीब 300 फीसदी चढ़कर 70 हजार के आंकड़े को छूने से कुछ ही कदम दूर है। आरबीआई ने जो फैसला किया है उसका मतलब है कि बैंक अभी लोन की ब?याज दर में कोई बदलाव नहीं करेंगे। ऐसे में संभावना पूरी है कि लोगों को ईएमआई भी पहले जितनी ही देनी होगी। यानि इसमें फर्क नहीं आयेगा। आरबीआई के अनुसार इसके फलस्वरूप स्थायी जमा सुविधा दर 6.25त्न और सीमांत स्थायी सुविधा दर तथा बैंक दर 6.75त्न पर बनी हुई है। आरबीआई गवर्नर ने जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी जारी है। लागत खर्च में कमी से विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती आई है। सरकारी खर्चे से निवेश के रफ्तार में आई तेजी है। एग्रो क्रेडिट में ग्रोथ से रिकवरी बेहतर होने का अनुमान है। एमपीसी के छह में पांच स्थर अकोमोडेटिव रुख वापस लेने के पक्ष में। सभी सदस्यों ने रेपो रेट को स्थिर रखने पर सहमति जताई। हालांकि उन्होंने कहा कि नवंबर-दिसंबर महीने में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि महंगाई के लिहाज से चिंता का कारण बना हुआ है। मगर ग्रामीण मांग में सुधार दिख रही है।

रेड्डी के बिहारी डीएनए वाले बयान पर मचा बवाल

पटना एजेंसी। देश के चर्चित चुनावी रणनीतिकार रहे और अब जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तेलंगाना के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी के बिहारियों का डीएनए खराब होने वाले बयान पर दो टूक कहा कि आपके आका भी बिहार के लड़के यानी मुझसे ही सलाह लेते रहे हैं। दरभंगा में किशोर ने कहा कि बिहारियों की बुद्धिमत्ता के लिए रेवंत रेड्डी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हमलोग अपने बच्चों को यहीं पढ़ा पाते, यहीं रोजगार मिलता तो कोई रेवंत रेड्डी कि कहां हिम्मत होती।

कैश फॉर क्वेरीः महुआ मामले पर लोकसभा में हंगामा

नई दिल्ली एजेंसी। कैश फॉर क्वेरी मामले में लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही आज हंगामे के हालात बन गये हैं। इसके चलते कार्रवाई दोपहर बारह बजे तक स्थगित करना पडी। कार्यवाही शुरू होते ही सदन में विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया।इसके चलते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। दरअसल आज महुआ के निष्कासन की संभावना भी चल रही हैं इसके चलते विपक्ष हमलावर है। वहीं सत्ताधारी भाजपा ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर शुक्रवार को सदन की कार्यवाही के दौरान दिनभर सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस बिगड़ी बात बनाने की जद्दोजहद में

कांग्रेस का हार पर मंथन, इंडिया पर दूर हो रहा टेंशन

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो, एजेंसी

हाल में हिंदी पट्टी के राज्यों में विधानसभा चुनाव के दौरान इंडिया गठबंधन के पार्टनर्स के साथ चुनाव लड़ने पर उभरी तल्खियों और फिर करारी हार के बाद कांग्रेस तेजी से सारे बिगड़े और बिखरे मोर्चे साधने में जुट गई है। सूत्र बताते हैं कि बीते चार दिन से मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी लगातार कई नेताओं के साथ चर्चा में जुटे हैं मप्र के मामले में कमलनाथ से चर्चा भी इसी कड़ी का हिस्सा थी। आज पार्टी तीन राज्यों में अपनी हार की समीक्षा शुरू कर रही है,लेकिन इसकी पूर्वसंध्या पर उसे गठबंधन मोर्चे पर थोड़ा इत्मीनान मिला है।

दरअसल, गठबंधन टूटने की खबरें ज्यादा तेजी से फैलीं थीं मगर उसके जुड़ने की खबरें चर्चा में नहीं आई, चूंकि बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सबसे इंडिया गठबंधन के एकजुट होने का संकेत दिया और कहा कि %कौन कह रहा है कि मैं बैठक में नहीं जाऊंगा। उनके इस कथन के बाद टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भी कह दिया कि वे बैठक में जाने पर विचार कर रही हैं। सुर बदलने के बाद समन्वय रात को तब नजर आया जब इंडिया की कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक में 17 दल के नेता पहुंच गये। इसकी मेजबान कांग्रेस पार्टी थी। इस डिनर में विपक्ष के करीब 38 नेता मौजूद थे। सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी ने डिनर के दौरान विपक्षी दलों के संसदीय नेताओं से चर्चा की।

बदलेंगे कई राज्य में कांग्रेस चेहरे : मप्र,छग व राजस्थान में चुनावी पराजय के बाद कांग्रेस अब इन राज्यों के चेहरे बदलने की तैयारी में है। आज मंथन के बाद यह प्रक्रिया शुरू होगी और कुछ दिनों में सिरे चढा ली जाएगी। माना जा रहा है कि मप्र व राजस्थान में नये चेहरों को आगे लाया जाएगा।

मेट्रो एंकर

आईपीएल में पंड्या के बाद दूसरा झटका लग सकता था गुजरात को

शमी को गलत तरीके से खरीदने की हो रही थीं कोशिशें, हुआ सनसनीखेज खुलासा

मुंबई, एजेंसी।

आईपीएल में कप्तान हार्दिक पंड्या के अपनी पुरानी टीम मुंबई इंडियंस में लौट जाने के बाद गुजरात टाइंटस को एक और झटका लग सकता था। गुजरात टाइटंस के सीओओ कर्नल अरविंदर सिंह ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि शमी पर भी एक फ्रैंचाइजी की नजर थी और उन्हें टीम में शामिल होने का ऑफर दिया था। गुजरात टाइटंस के सीओओ का कहना है कि, %आईपीएल ने ट्रेंडिंग के लिए एक सिस्टम तैयार किया है। आप खिलाड़ी को डायरेक्ट एप्रोच नहीं कर सकते, इससे मिस मैनेजमेंट होगा।% उनका मानना है कि ट्रेंडिंग नियमों के तहत ही होना चाहिए। साथ ही, वो कहते हैं कि अगर सही तरीके से उस टीम ने हमें अप्रोच किया होता तो हम इस तरीके से बात करते और अपनी इच्छा जताते, लेकिन सही माध्यमों का इस्तेमाल नहीं किया गया।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में खत्म हुए वनडे विश्व कप में मोहम्मद शमी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। आईपीएल 2023 में भी वह पर्पल कैप होल्डर बने थे और अपनी टीम को लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाया। ऐसे दमदार प्रदर्शन के बूते ही शमी की जबरदस्त डिमांड बढ़ गई। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक शमी अपनी टखने की चोट से परेशान नजर आ रहे हैं। भारतीय टीम का साउथ अफ्रीका दौरा 10 दिसंबर से शुरू हो रहा है। मैन इन ब्लूज को पहले टी-20 सीरीज खेलनी है, इसके बाद वनडे और फिर टेस्ट सीरीज होगी। शमी को वाइट बॉल फॉर्मेट में आराम दिया गया है उन्हें दो टेस्ट मैच की सीरीज में रखा गया है हालांकि, उनका खेलना इसी बात पर निर्भर करता है कि वह अपनी इंजरी से कितनी जल्दी उबरते हैं। बीसीसीआई ने 30 नवंबर को टीम की घोषणा करते समय कहा था, %मोहम्मद शमी वर्तमान में चिकित्सा उपचार से गुजर रहे हैं और उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर है। शमी वर्ल्ड कप के दौरान भी टखने के दर्द से जूझ रहे थे। रोहित शर्मा एंड कंपनी को पहला टेस्ट मंगलवार, 26 दिसंबर को सेंचुरियन में खेलना है।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर इज्तिमा की नमाज को लेकर जमातें पहुंची

केरवा– केलियासोत, मेंडोरा, बुल मदर फार्म, संस्कार वैली रोड, शाम को जमा हो रहा हुजूम

बाघों के ठिकाने तक पहुंच रहे लोग, अनहोनी तय

जिन क्षेत्रों में बाघों की मौजूदगी वहां तक पहुंच रहे लोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के नजदीक बाघों के ठिकानों तक पहुंचने वालों का हुजूम बढ़ता जा रहा है। यह स्थिति रोजाना शाम को बन रही है। अवकाश के दिनों में तो सामान्य दिनों की तुलना में दो गुना लोग पहुंच रहे हैं। इनमें युवाओं की संख्या अधिक है। ऐसे में किसी दिन बड़ी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि बाघों का मूवमेंट भी पहले की तुलना में बढ़ा है।

बाघिन टी– 123 अपने शावकों के साथ लगातार मेंडोरा, संस्कार वैली रोड, बुल मदर फार्म, जागरण लेक सिटी रोड, केरवा नर्सरी व उसके आसपास और वाल्मी पहाड़ी क्षेत्र में देखी जा रही है। इनके अलावा दूसरे बाघों का भी मूवमेंट पहले से बढ़ा है ये रातापानी वन्यजीव अभयारण्य से भोपाल के नजदीक पहुंच रहे हैं। जिन क्षेत्रों में बाघों की मौजूदगी है वे एकांत और प्राकृतिक वनों से भरपूर है, इन क्षेत्रों में अच्छी खासी हरियाली है। जिसके कारण युवाओं का हुजूम भी इन क्षेत्रों में समय बिताने पहुंच रहा है। इस पर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन जरा भी गंभीर नहीं है। जिसके कारण किसी संभावित अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता।

केरवा डैम-

यहां से नीचे कुछ ही दूरी पर नर्सरी और फिर मौत के कुआं क्षेत्र की सीमा लगती है। चट्टानी और नदियों वाला क्षेत्र है, बड़े वन है जो देखते ही बनते हैं। लोगों को अपनी ओर खींचते हैं। यहां बाघों का भी मूवमेंट रहता है और युवा यहीं पर देर रात तक पार्टी करते रहते हैं।

जागरण लेकसिटी रोड-

कलियासोत डैम का बैंक वाटर 13 शटर गेट से निकलता है। यहां से जो नदी नीचे की ओर जाती हैं उसके किनारे सड़क है जो जागरण लेकसिटी की ओर जाती है। यहां पर कई बार बाघों को देखा जा चुका है युवा इन क्षेत्रों में जमरन भीड़ जमा पर बैठे रहते हैं।

संस्कार वैली रोड-

इस सड़क के दोनों किनारे वन क्षेत्र है जहां युवा रोजाना शाम के समय घूमते रहते हैं, जबकि इस क्षेत्र में बाघों की भिंड़त तक हुई है।

अधिकारियों का तर्क

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बाघों के मूवमेंट वाले क्षेत्रों में प्रवेश न करने की समझाइश दी जा रही है। तब भी युवा इन क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं। यह चिंता का विषय है। सख्त कार्रवाई करेंगे।

बीयू: 110 कॉलेजों में से 80 ने दी जानकारी, अब होगी संबद्धता समाप्त

अब जानकारी भेजने वाले कॉलेजों की समीक्षा की जाएगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) द्वारा बार-बार समय देने के बाद भी बीयू से संबद्ध कॉलेज जानकारी भेजने के लापरवाही बरत रहे हैं। ऐसे में अब इन कॉलेजों पर संबद्धता समाप्ति की कार्यवाही की जा सकती है। स्थिति यह है कि अब तक 110 संबद्ध कॉलेजों में से लगभग 80 कॉलेज ही फैकल्टी की जानकारी भेज पाए हैं। इन कॉलेजों को गुरुवार तक का समय दिया गया था, शुक्रवार को जानकारी भेजने वाले कॉलेजों की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद अब सीधे इन कॉलेजों के खिलाफ संबद्धता समाप्त करने की कार्रवाई करेगा।

यह है नियम: यूजीसी के नियमों के अनुसार कॉलेज कोड-28 के तहत कॉलेजों में नियमित और क्वालीफाई फैकल्टी रखना अनिवार्य किया गया है। यह कॉलेज दो महीने में यह नहीं बता पाए हैं कि उनके यहां किस विषय में कितनी रेगुलर फैकल्टी कार्यरत हैं। जानकारी के अनुसार नोटिस जारी करने से पहले तक 300 कॉलेजों ने ही फैकल्टी की जानकारी दी थी। अन्य कालेज जानकारी देने से बच रहे हैं। बता दें कि कई कॉलेजों द्वारा संबद्धता लेने के बाद कोड 28 के तहत क्वालिफाइड रेगुलर फैकल्टी की नियुक्ति नहीं की जाती। इसके कारण विवि को मूल्यांकन जैसे जरूरी कार्य के लिए समय पर फैकल्टी नहीं मिल पाती। सूत्र बताते हैं कि इसका कारण पूर्व विवि प्रशासन द्वारा इसकी मॉनिटरिंग नहीं किया जाना है। यही वजह है कि कई कालेज पुराने ढर्रे पर चल रहे हैं।

बीयू ने 35 विद्यार्थियों को दिया अल्टीमेटम, नियम का पालन करें, अन्यथा होगी कार्यवाही

बीयू के छात्रावास में रैंगिग के मामले सामने आने के बाद वरिष्ठ और कनिष्ठ विद्यार्थियों को अलग-अलग छात्रावास में रहने का आदेश जारी किए गए हैं, लेकिन विद्यार्थी इसका पालन नहीं कर रहे हैं। साथ ही ऐसे विद्यार्थी भी हैं, जिन्होंने कई बार सूचना देने के बाद भी छात्रावास में फीस जमा नहीं की है। ऐसे में विवि प्रशासन इन विद्यार्थियों के खिलाफ कार्यवाही करने की तैयारी में है। छात्रावास अधीक्षक ने करीब 35 विद्यार्थियों की सूची सौंपी है। इस संबंध में विवि की ओर से विद्यार्थियों को अंतिम चेतावनी दी गई है, जिसके अनुसार सभी वरिष्ठ विद्यार्थियों को छात्रावास में उनके आवंटित कक्ष में ही रहना होगा। अगर वरिष्ठ विद्यार्थी निर्देश का पालन नहीं करते हैं तो, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

समाजसेवी निहालचंद छुगानी के नेत्रों का दान

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर निवासी 74 वर्षीय निहालचंद छुगानी का देहावसान शुक्रवार यानी सात दिसम्बर 2023 को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र कमलेश छुगानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । छुगानी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवासदन अस्पताल ने अभी तक 2058 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। कार्यपालन ट्रस्टी हीरो ज्ञानचंदानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

स्टेशन पर इज्तिमा के दौरान अतिरिक्त टिकट काउंटर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के सबसे पुराने रेलवे स्टेशन भोपाल पर अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गये हैं। ये काउंटर आज 8 से 11 दिसंबर तक भोपाल में आयोजित होने वाले ÷आलमी तबलीगी इज्तिमा÷ के लिए खोले गये हैं। ताकि इज्तिमा में आने वाले श्रृद्धालुओं को टिकट लेने में असुविधा न हो। भोपाल रेलवे आरक्षण कार्यालय में एक विशेष काउंटर श्रद्धालुओं के लिये खोला है। इसके अतिरिक्त भोपाल स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक 1 की ओर एक बड़ा पंडाल लगाया गया है। जिसमें 02 अनारक्षित बुकिंग काउन्टर एवं 01 पूछताछ काउंटर हैं। इसी प्रकार प्लेटफॉर्म नम्बर-6 की ओर एक बड़े पंडाल में श्रद्धालुओं के रूकने की व्यवस्था है।

इसके अतिरिक्त भोपाल स्टेशन एवं प्लेटफॉर्मो पर उदघोषणा एवं गाड़ियों की जानकारी प्रदान करने तथा साफ-सफाई सुनिश्चित करने हेतु वाणिज्य अधिकारियों को, पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था हेतु रेल सुरक्षा बल एवं शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) को, आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेडिकल अधिकारियों को, पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हेतु सिविल इंजीनियरिंग अधिकारियों को तथा समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विद्युत अधिकारियों को निर्देश दिये गए हैं।

बिना लाइसेंस मांस विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही शुरू

हिरदाराम नगर। नगर निगम ने बिना लाइसेंस मांस विक्रय करने वालों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। संतनगर और गांधी नगर के जोन एक एवं 20 में मांस विक्रेताओं पर गुरूवार को कार्रवाई की गई, 40 किलो मांस नष्ट किया गया एवं 04 हजार 900 रुपये स्पॉट फाइन भी किया गया।

निगम अमले ने जोन 01 एवं 20 के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर अवैध रूप से तथा नियमों का उल्लंघन कर मांस विक्रय करने वाले मांस विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए अब्बास नगर में खुले में बिना लायसेंस के मांस विक्रय करने वाले दुकानदार का 40 किलोग्राम मांस फिनाइल व अन्य रसायन डालकर नष्ट कराया। दुकानों की जांच हेतु निगम के दल के पहुंचने की सूचना पर अनेक मांस विक्रेता अपनी दुकानें बंद कर दीं। बता दे भोपाल नगर निगम सीमा क्षेत्र में अवैध / नियम विरूद्ध मांस विक्रय की दुकाने संचालित होने के कारण आवारा श्वानों व गंदगी फैलने की स्थिति से निपटने के दृष्टिगत निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए के निर्देश पर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध/नियम विरूद्ध मांस विक्रय करने वालों के विरूद्ध अभियान गुरूवार से प्रारंभ किया गया।

मेट्रो एंकर

सिंधी समाज में भी लव जेहाद, इंटरकास्ट मैरिज की समस्या

कई संस्थाओं के सिंधी बुद्धिजीवी जुटे, हुआ विचार-विमर्श

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

देश में लव जेहाद किसी एक समाज या धर्म के लिए समस्या नहीं है बल्कि इससे हर समाज के लोग त्रस्त हैं। सिंधी समाज के भीतर भी लव जेहाद के अलावा एक बहुत बड़ी समस्या इंटरकास्ट मैरिज है। इससे चिंतित राष्टीय राजधानी दिल्ली निवासी वरिष्ठ समाज सेवी जवाहर बुलवानी ने बीड़ा उठाया है। वेदेशभर में दौरे कर लव जेहाद व इंटरकास्ट मैरिज के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

इंदौर के बाद संत हिरदाराम नगर पहुंचे जवाहर बुलवानी ने संस्कार स्कूल में बुद्धिजीवियों की बैठक का आयोजन किया, जिसमें शिक्षाविद विष्णु गेहानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, संस्कार संस्था के सचिव बंसत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्द्रकुमार नागदेव, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत अध्यक्ष संरक्षक वासुदेव वाधवानी, चन्द्रप्रकाश ईसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी, समाज सेवी किशन उदासी, राष्ट्रीय सिंधी मंच के संयोजक रोशनलाल उतवानी, जिला भोपाल अध्यक्ष हीरो ईसरानी एवं दिल्ली से आईं। दीपा गोलवाणी शामिल हुए।

संस्कार कक्षाओं का आयोजन

इस बात पर भी जोर दिया गया कि स्कूली शिक्षा के दौरान ही प्रत्येक स्कूल में कम से कम सप्ताह में एक पीरियड संस्कार का रखा जाए जिमसें केवल शिक्षक ही नहीं समाज के बुद्धिजीवी स्कूलों में जाकर कक्षा 9 से 12 तक खासतौर पर कन्याओं को इस बात की जानकारी दें कि सह शिक्षा एवं लव जेहाद तथा इंटरकास्ट मैरिज से क्या क्या नुकसान है? इसलिए उससे दूर रहा जाए। पंचायत अध्यक्ष साबूमल रीझवानी ने अनचाहे सेक्स से होने वाले नुकसान की भी जानकारी देने की बात कही ताकि उसके प्रति आकषर्ण से युवाओं को बचाया जा सके।

देर से हो रहे विवाह

इस बात पर भी चिंता प्रकट की गई कि उच्च शिक्षा के कारण विवाह देर से हो रहे हैं, जब विवाह देर से हो रहे हैं, तब संतान उत्पति में भी दिक्कतें आ रही हैं देर से ही पर अगर विवाह अपने ही समाज के युवक युवती के मध्य हो तो ठीक लेकिन इंटरकास्ट मैरिज भी चिंता का विषय है, जिसके बाद अधिकांश रिश्ते टूट रहे हैं, जो बाद में अभिभावकों के लिए बहुत बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं। इन समस्याओं के निदान के लिए समाज को जागरूक करने के साथ ही खासतौर पर लव देहात एवं इंटरकास्ट मैरिज के खिलाफ सख्ती से कदम उठाने पर सहमति व्यक्त करते हुए देशभर में अभियान चलाने एवं इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लेने पर भी जोर दिया गया।

शहरी निकायों को अब इलेक्ट्रिक कचरा वाहन खरीदने के निर्देश

प्रदूषण के चलते डीजल व सीएनजी वाहन बंद होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में इन दिनों प्रदूषण को रोकने की खास चिंता हैं। इसी बीच नगरीय निकायों में डो-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर फोकस किया गया है। सरकार का आदेश है कि यदि कोई निकाय यह वाहन नहीं खरीद पाता है तो किसी अन्य वाहन की खरीद से पहले सरकार से मंजूरी ले।

दरअसल अब तक डीजल और सीएनजी वाहनों का संचालन किया जा रहा है। इस वजह से वातावरण में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। अब इसे कम करने के लिए नगरीय प्रशासन विभाग ने जीवाश्म ईंधनों से संचालित वाहनों की खरीदी पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इससे निकायों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार होगा और ईंधन में खर्च होने वाली राशि की बचत होगी। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि यदि निकाय किसी कारणवश इलेक्ट्रिक गाड़ी नहीं खरीद सकते तो वे विभाग की अनुमति लेकर ही गैर-इलेक्ट्रिक कचरा गाड़ियां खरीद सकेंगे।

बताया जाता है कि नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में इलेक्ट्रिक वाहनों की अनिवार्यता के लिए विभाग द्वारा पूर्व में तैयार की गई मप्र इलेक्ट्रिक व्हीकल पालिसी को भी संशोधित किया गया है। इससे प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन के लिए अनुकूल माहौल स्थापित करने एवं इलेक्ट्रिक चार्जिंग अधोसंरचना के निर्माण में प्रगति होने की संभावना है। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव मंडलोई के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अंतर्गत यह तय किया गया है कि सभी वाहन जो निकायों में संचालित होते हैं, उनमें इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता से क्रय किया जाए। किसी विशेष परिस्थिति में यदि इलेक्ट्रिक कचरा वाहन खरीदना संभव न हो, तो मिशन संचालक को जानकारी देकर ही खरीदी की जाए।

विधानसभा चुनाव परिणाम की मीमांसा जारी

कांग्रेस की मामूली जीत कई हजार से कम से हारे

भोपाल दोपहर मेट्रो। इस बार विधानसभा चुनाव में सत्ता विरोधी लहरों की आशंका को निर्मूल साबित करते हुए कांग्रेस को कई झटके दिये हैं तो परिणामों में भी चौंकाने वाले संकेत छिपे हैं। भाजपा से सीटों के मामले में तो कोंस पिछड़ी ही, बल्कि जीत-हार के अंतर में कांग्रेस बहुत पीछे रह गई। इस बार दस उम्मीदवार एक हजार से कम मतों के अंतर से जीते हैं, इनमें से भी सात कांग्रेस के हैं। जबकि भाजपा के मात्र तीन उम्मीदवार ही एक हजार मतों के अंतर से जीते। इनमें शाजापुर से अरुण भीमावद, धरमपुरी से कालू सिंह और मांधाता से नारायण पटेल शामिल हैं। पांच साल पहले जब वर्ष 2018 के चुनाव हुए थे तब भी दस उम्मीदवार एक हजार से कम मतों से जीते थे। तब इसमें चार भाजपा और छह कांग्रेस के थे। इस बार 50 हजार से अधिक मतों से 20 प्रत्याशी जीते पर इनमें कांग्रेस का एक भी नहीं है।

पिछले चुनाव में मात्र पांच प्रत्याशी ही 50 हजार से अधिक वोटों से विजयी हुए थे, जिसमें तीन भाजपा और दो कांग्रेस के थे। इससे साफ है कि भाजपा ने इस चुनाव में बड़ी संख्या में सीटें तो जीती ही हैं जीत के नए कीर्तिमान भी बनाए हैं। भाजपा के कई उम्मीदवार लाख मतों से भी जीते है, इनमें शिवराज सिंह चौहान,कृष्णा गौर,रमेश मैंदोला के नाम हैं। मैंदोला मप्र में सबसे ज्यादा मतों से जीते हैं। जबकि एक लाख से थोड़ा पीछे रह गये रामेश्वर शर्मा व पचास हजार से ज्यादा से जीतने वाले उम्मीदवारों में भाजपा के ही कैलाश विजयवर्गीय,गोपाल भार्गव आदि नाम हैं।

बाल-बाल बचे उम्मीदार

बेहद कम अंतर से जीतने वाले विधायकों में शाजापुर से अरुण भीमावद-भाजपा के हैं जो 28 मतों से जीते। वहीं महिदपुर के दिनेश जैन कांग्रेस से 290 मतों से धरमपुरी में कालू सिंह ठाकुर भाजपा356, बैहर से संजय उइके कांग्रेस- 551, मांधाता नारायण पटेल भाजपा-589, भीकनगांव झूमा सोलंकी कांग्रेस- 603, गोहद केशव देसाई कांग्रेस- 607, सेमरिया अभय मिश्रा कांग्रेस- 637, मनावर हिरालाल अलावा कांग्रेस ङ्क 708, हरदा से रामकिशोर दोगने कांग्रेस- 870 मतों से वहीं राजपुर से बाला बच्चन कांग्रेस- 890 तथा टिमरनी से अभिजीत शाह कांग्रेस टिकट पर महज 950 मतों से जीत सके हैं।

125 सेंटरों को बंद करने के नोटिस मामले में हाईकोर्ट का आया फैसला

प्रदेश के बाहर भी एमसीयू अपने सेंटरों का संचालन जारी रखेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश के बाहर चलाए जा रहे सेंटर बंद नहीं होंगे। प्रदेश के बाहर भी एमसीयू अपने सेंटरों का संचालन कर सकेगा। इसको लेकर हाईकोर्ट से हरी झंडी मिल गई है।

दरअसल, यूजीसी 2009 में उच्च शिक्षा में सुधार के लिये यशपाल कमेटी गठित की थी। कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के विवि अन्य राज्यों में अपनी संबद्धता देकर कॉलेज या सेंटर संचालित नहीं कर सकते हैं। इसके चलते एमसीयू को दिल्ली, एनसीआर, महाराष्ट्कृा, यूपी, कर्नाटक, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में करीब 125 सेंटरों को बंद करने के नोटिस जारी कर दिए थे। इसके चलते सेंटर संचालकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उन्हें स्थगन आदेश देते हुये सेंटरों का संचालन बरकरार रखा गया था। अब हाईकोर्ट ने अंतिम आदेश दिए हैं कि एमसीयू प्रदेश के बाहर भी अपने सेंटरों का संचालन कर सकेगा।

बीयू : पीजी तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 दिसंबर से होगी शुरू, 3 जनवरी तक चलेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) की यूजी व पीजी की परीक्षाएं नवंबर में होनी थी, लेकिन अब दिसंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होने वाली परीक्षाओं की तैयारी पूरी नहीं की गई है। विवि प्रबंधन ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए। इसमें परीक्षा केंद्रों की सूची के साथ-साथ समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। पीजी तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 दिसंबर से शुरू होने वाली है, जो तीन जनवरी तक चलेगी। इसमें एमए, एमकाम, एमएसी की परीक्षाएं होंगी। गुरुवार को विवि ने प्रदेश में 45 और राजधानी में छह परीक्षा केंद्रों की सूची जारी की। साथ ही परीक्षाओं की समय-सारिणी भी जारी कर दी गई। इस बार भी शैक्षणिक कैलेंडर का पालन होना संभव नहीं दिख रहा है। विवि की यूजी व पीजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों की पीजी तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर की नियमित व एटीकेटी की परीक्षाएं 18 दिसंबर से शुरू होने वाली है। विवि के अकादमिक कैलेंडर के अनुसार पीजी प्रथम और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 22 नवंबर से 12 दिसंबर तक होनी चाहिए, लेकिन इस बार विवि में प्रवेश प्रक्रिया अक्टूबर तक चली और विधानसभा चुनाव कारण इस बार देर से परीक्षाएं शुरू हो रही हैं।

शैक्षणिक कैलेंडर भी पिछड़ा: अकादमिक कैलेंडर के अनुसार पहले सेमेस्टर की परीक्षा दिसंबर में समाप्त हो जानी चाहिए, लेकिन अब यह परीक्षा जनवरी में होने वाली है। अभी तृतीय सेमेस्टर एमए, एमकाम, एमएससी सहित अन्य विभिन्न पाठ्यक्रम की परीक्षाएं होंगी। बीयू प्रशासन का कहना है कि परीक्षा कार्यक्रम कुछ दिन ही आगे बढ़ा है। परीक्षा में देरी होने का कारण शिक्षकों की चुनाव में ड्यूटी लगाए जाने के कारण हुई है। शैक्षणिक कैलेंडर नहीं पिछड़ेगा।

31 तक किसान करा सकते हैं फसल बीमा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उप संचालक कृषि भोपाल ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड के माध्यम से कृषकों को फसल बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। कृषक को सूचित किया है कि रबी के लिये ऋृणी, डिफाल्टर, बटाईदार किसानों के लिये बीमा की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। जिला स्तर पर जिन फसलों को अधिसूचित किया गया है उनके प्रीमियम एवं बीमित राशि प्रति हेक्टेयर अनुसार दर निर्धारित की गई हैं।

पर्यावरण संस्कृति ट्रस्ट

आरक्षक भूपेंद्र सिंह गुर्जर को किया सम्मानित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा गुरूवार को कोर्ट परिसर, डीपीओ ऑफिस भोपाल मे राजेंद्र उपाध्याय अभियोजन अधिकारी, टी .पी गौतम, अतिरिक्त अभियोजन अधिकारी, एजीपी अनिल शुक्ला, आशीष त्यागी सहित अधिवक्ताओं की उपस्थिति में आरक्षक भूपेंद्र सिंह गुर्जर को माला पहनाकर प्रशंसा व सम्मान प्रमाण पत्र भेंट किया गया। आरक्षक भूपेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा अभी तक कोर्ट परिसर में दो लोगों को हार्ट अटैक आने पर प्राथमिक उपचार के रूप में सीपीआर देकर उनके जीवन की रक्षा की जा चुकी है। इस मौके पर पर्यावरण, संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने कहा कि जो भी व्यक्ति समाज में इस प्रकार के साहसिक व परोपकारी कार्य को करता है, वह उसका सम्मान सदैव करते रहेंगे।

कल कर्मचारी मंच का प्रांतीय सम्मेलन होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र कर्मचारी मंच का प्रांतीय सम्मेलन 9 दिसंबर को अंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर में होगा। इसमें 11 सूत्रीय प्रस्ताव पारित करके संगठन की आगामी रूपरेखा तय जाएगी। सम्मेलन में प्रदेश भर के अनियमित संवर्ग के कर्मचारी भाग लेंगे।अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रांतीय सम्मेलन में अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने, स्थाई कर्मी को सातवां वेतनमान का लाभ देने, अनियमित कर्मचारियों को न्यायालय आदेश का लाभ देने, अनियमित कर्मचारी की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने, अनियमित कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी 10 लख रुपए देने एवं आकस्मिक मृत्यु होने पर अनुकंपा अनुदान 10 लाख भुगतान आदि मांगों पर प्रस्ताव पारित करके वर्ष 2024 की आगामी कार्य योजना तैयार की जाएगी।

मेट्रो एंकर बंदियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा अधिकार-मानव अधिकार रहेगा विषय

10 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर कार्यशाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर मानव अधिकार आयोग द्वारा 10 दिसंबर रविवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यशाला बंदियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा अधिकार-मानव अधिकार विषय पर होगी। नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में होने वाली इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि उच्चतम न्यायालय दिल्ली के न्यायाधिपति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी होंगे, अध्यक्षता मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर ममतानी करेंगे। कार्यशाला में उद्घाटन सत्र के अलावा तकनीकी सत्र भी होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश जबलपुर के न्यायमूर्ति सुजॉय पाल, उच्च न्यायालय ग्वालियर बैंच के न्यायमूर्ति संजीव एस कालगांवकर सहित अन्य उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र के दौरान आयोग द्वारा विषय आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया जाएगा।

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ
विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल
फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

सुविचार

जो समस्या के बिना जीतता है वह बस विजय है, लेकिन जो बहुत सी परेशानियों से होकर जीतता है वह इतिहास होता है।

-अज्ञात

संपादकीय

एक सत्र से कई मौके

इस बार संसद का शीतकालीन सत्र खासी गर्मीभरा है। यह गर्मी सियासी है और हाल के पांच राज्यों के चुनाव के बाद उभरी है। यह सत्र जिस अंदाजा में शुरु हुआ,आमतौर पर संसद का शीतकालीन सत्र इतने गर्म राजनीतिक माहौल में शुरू नहीं होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संसद भवन पहुंचने के बाद हलके-फुलके अंदाज में इस ओर संकेत किया, लेकिन अगर किसी को भी इस सत्र के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने का भ्रम रहा होगा तो वह पहले ही दिन दूर हो गया होगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान यह साफ कर दिया कि सत्र के दौरान अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर की जाने वाली पोजिशनिंग ही निर्णायक साबित होगी। पीएम ने कहा कि बेहतर होगा विपक्ष चुनाव नतीजों का गुस्सा सदन में निकालने की कोशिश न करे। जाहिर है, सत्ता पक्ष यह मानकर चल रहा है कि विपक्ष का रुख आक्रामक होगा। इसके कई और संकेत पहले से मिल रहे हैं। हालाकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की क्या भूमिका होगी, यह भी उत्सुकता का विषय है क्योंकि हाल के चुनाव में छत्तीसगढ व राजस्थान जैसे बड़े राज्य उसके हाथ से निकल गये हैं और मप्र तमाम संभावनाओं के बावजूद करारी हार के चलते दूर की कौडी बन गया है। बहरहाल सत्र में जिन मसलों पर पहले से सत्ता पक्ष और विपक्ष में तलवारें खिंची हुई हैं, उनमें एक प्रमुख मुद्दा है तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़ा कैश फॉर क्वेश्चन संबंधी आरोपों का। इस मामले में एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट संसद में पेश की जानी है, लेकिन वह पहले ही लीक हो चुकी है। इसमें कथित तौर पर की गई महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने की सिफारिश पर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी स्पीकर को पत्र लिख चुके हैं कि ऐसा कदम उठाना सही नहीं होगा। तृणमूल कांग्रेस एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग कर रही है। करीब अठारह दिनद यानि 22 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र के दौरान सबकी नजरें विपक्षी दलों की आक्रामकता पर ही नहीं उनके आपसी तालमेल पर भी रहेगी। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि लोकसभा चुनावों से ठीक पहले हुए विधानसभा चुनावों में मिले प्रतिकूल नतीजों का कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के जोश पर कितना और कैसा प्रभाव पड़ा है। क्या इंडिया गठबंधन को कायम रखने और उसे आगे बढ़ाने को लेकर उनका संकल्प पहले जितना ही मजबूत है या उसमें किसी तरह की कमजोरी आई है? हालांकि इन बातों पर ज्यादा रोशनी तो इंडिया गठबंधन के घटक दलों की चौथी बैठक में पड़ेगी, जो पहले 6 दिसंबर को दिल्ली में ही होनी थी लेकिन अब सत्र के बाद तक टल गई है। सदन के अंदर विपक्षी दलों के आपसी सामंजस्य और तालमेल में भी उसकी स्पष्ट झलक मिलेगी। जहां तक इस सत्र में पेश होने वाले बिलों की बात है तो मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल ही नहीं इंडियन पीनल कोड, इंडियन एविडेंस एक्ट और क्रिमिनल प्रसीजर कोड की जगह लाए जाने वाले बिलों समेत करीब 21 विधेयक इस सत्र में पेश किए जाने हैं। खास बात यह है कि यह सत्र लोकसभा चुनाव के करीब चार महीने पहले हो रहा है, हालांकि इसके बाद एक संक्षिप्त सत्र भी संभावित है लेकिन फिलहाल तो यही बेहतर होगा आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे-वॉकआउट, बहिष्कार वगैरह के बीच भी सत्ता पक्ष और विपक्ष इस बात की गुंजाइश बनाएं कि तमाम महत्वपूर्ण बिलों के अलग-अलग पहलुओं पर विस्तृत बातचीत और बहस जरूर हो। यह बातचीत और तर्क ही जनता तक दलों की छवि को बनाने या बिगाड़ने में भी ?भूमिका निभा सकते हैं।

निशाना

-कृष्णोन्द्र राय

इंडिया की अंदरूनी चुनौतियां, गठबंधन को बचाने के लिए प्रबंधन की दरकार

रशीद किदवई

तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में अप्रत्याशित हार के बाद उपज रही निराशा से इंडिया गठबंधन पर टूट का खतरा मंडरा रहा है। उसे अपनी गतिविधियों के व्यापक प्रबंधन के लिए एक पूर्णकालिक संचालक की दरकार है, पर दिक्कत यह है कि कांग्रेस की योजना में संयोजक का पद अनावश्यक माना जा रहा है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश, इन तीन हिंदी भाषी राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिली अप्रत्याशित और अपमानजनक पराजय के बाद कांग्रेस को %इंडिया% गठबंधन के भीतर से भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बमुश्किल 48 घंटों के बाद ही मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख कमलनाथ ने ईवीएम मशीनों के खिलाफ एक सामूहिक मुहिम के लिए जरूरी समर्थन जुटाने हेतु ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और नीतीश कुमार तक पहुंचने की कोशिश की। दरअसल, कमलनाथ चाहते हैं कि 'इंडिया' गठबंधन चुनावों पर न्यायमूर्ति मदन लोकुर की अध्यक्षता वाले सिटिजन कमीशन की सिफारिशों को जोर-शोर से उठाए, जिनके अनुसार ईवीएम मशीनें सत्यापन योग्य नहीं हैं। सिटिजन पैनल के एक सदस्य सुभाशीष बनर्जी का तर्क है कि ईवीएम मशीन के स्रोत कोड को सार्वजनिक होना चाहिए या ईवीएम में केवल एक बार प्रोग्राम करने वाली चिप का ही इस्तेमाल होना चाहिए इत्यादि बातें केवल मुख्य मुद्दे से भटकाने का काम करती हैं।

अगर ये सभी मांगें मान भी ली जाएं (माना भी जाना चाहिए), तब भी ईवीएम सत्यापन योग्य नहीं होंगी। लेकिन ईवीएम के कथित दुरुपयोग के लिए 'इंडिया' गठबंधन का समर्थन पाने की कमलनाथ की इस कोशिश में एक बड़ा दोष है। पहला, यह पराजित पक्ष का तर्क है, और, दूसरा, ईवीएम से छेड़छाड़ का यह तर्क तेलंगाना में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन के संदर्भ में अपना अर्थ खोता दिखता है, जहां उसने बीआरएस और भाजपा, दोनों को प्रभावशाली अंतर से हराया, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान %अखिलेश वखिलेश% कहते हुए 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों को प्रदेश से बाहर रखने के बाद कमलनाथ जिस दुस्साहस के साथ सहयोगियों से समर्थन मांग रहे हैं, उससे अखिलेश, ममता और नीतीश चकित हैं। यह भी याद किया जा सकता है कि तीन महीने पहले सितंबर में दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार के आवास पर विपक्ष के 13 सदस्यीय पैनल की एक बैठक हुई थी, जिसमें 'इंडिया' गठबंधन ने अक्तूबर के पहले हफ्ते में भोपाल में महागठबंधन की पहली बैठक के लिए सहमति जताई गई थी। लेकिन कमलनाथ ने ऐसी किसी सार्वजनिक बैठक की मेजबानी से इन्कार कर दिया था, जो भाजपा सरकार में बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर केंद्रित होगी। भोपाल में 'इंडिया' गठबंधन की बैठक को लेकर कमलनाथ के विरोध को कई तरह से देखा जा सकता है। उनका तर्क था कि प्रस्तावित गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था, जो राज्य विधानसभा चुनाव में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता था, जो उन्हें लगा कि वह आसानी से जीत रहे हैं। उन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र उदयगिरि द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी से उपजे विवाद की भी जानकारी थी। वह समाजवादी पार्टी, जदयू और वामपंथियों के साथ कुछ ही सीटों को लेकर किसी भी तरह के समझौते के पक्ष में नहीं थे। सभी जानते हैं कि अखिलेश यादव ने इसे कितना बड़ा मुद्दा बनाया, जिसे नीतीश कुमार और ममता बनर्जी का समर्थन भी मिला। दरअसल, मध्य प्रदेश में इस %अन्य% वर्ग के वोट भाजपा के खाते में पड़े, जिसने भाजपा के वोट प्रतिशत को 46 फीसदी तक पहुंचा दिया, जबकि कांग्रेस 40 फीसदी पर ही ठहर गई।

सवाल यह है कि क्या कमलनाथ इस झड़प को टाल सकते थे? व्यापक तौर पर देखें, तो 'इंडिया' गठबंधन के कुछ सहयोगी अब कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। सीटों के बंटवारे के प्रस्तावित फॉर्मूलें को अब टीएमसी, समाजवादी पार्टी, जदयू और आप की तरफ से ज्यादा विरोध का सामना कर पड सकता है। निराशा या अवसरवादिता के चलते 'इंडिया' गठबंधन के टूटने का भी खतरा है, क्योंकि, विपक्ष को डर सताने लगा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे लगभग तय ही हैं। दरअसल, 'इंडिया' गठबंधन की सभी वार्ताओं में गांधी परिवार एक कमजोर कड़ी बना हुआ है। कांग्रेस में राहुल और प्रियंका गांधी की कोई भूमिका तय नहीं है। मल्लिकार्जुन खरगे को अखिल भारतीय कांग्रेस के 88वें अध्यक्ष बने बेशक एक साल से ऊपर हो चुका है, लेकिन यह बात फैली हुई है कि किसी भी राजनीतिक फैसले या मंजूरी के लिए वह राहुल गांधी के पास जाते हैं। तो, आखिर कांग्रेस के लिए आगे की राह क्या बचती है? विपक्ष या 'इंडिया' गठबंधन को यथाशीघ्र चुनाव- प्रबंधन के तंत्र, वार्ता के बिंदु और सोशल मीडिया नीति को दुरुस्त कर लेना चाहिए।

गठबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल नरेंद्र मोदी का है। क्या मतदाताओं की नजर में संभावित विकल्प बने बगैर मौजूदा प्रधानमंत्री से सवाल करना या उनकी आलोचना करना उचित है? 'इंडिया' गठबंधन के लिए कैच-22 (विरोधाभाषी स्थितियों में फंसना) जैसी स्थिति हो गई है। उन्हें मोदी को कठघरे में भी खड़ा करना है, और अपने बीच से किसी को प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर न दिखाने को लेकर उनमें तकरीबन सहमति भी है। इसी तरह जाति जनगणना और आरक्षण के मुद्दों पर राहुल गांधी का खास जोर और धार्मिक कार्यक्रमों में बदलाव लाने के कांग्रेस के प्रयास कुछ ज्वलंत मुद्दे हैं। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन में कई लोग ऐसे हैं, जो जाति जनगणना के मुद्दे पर ज्यादा विचार- विमर्श की जरूरत को मानते हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश में कमलनाथ द्वारा शुरू किए गए हिंदुत्व समर्थक कार्यक्रमों पर भी बात होने की पूरी उम्मीद है। 'इंडिया' गठबंधन को अपनी गतिविधियों के व्यापक प्रबंधन के लिए एक पूर्णकालिक संयोजक की भी जरूरत है, जिस पर सहमति नहीं बन पा रही है। किसी से छिपा नहीं है कि इसके लिए ममता बनर्जी, शरद पवार और नीतीश कुमार इसके कुछ दावेदार हैं, बशर्ते कांग्रेस नेतृत्व (गांधी परिवार और खरगे), उनसे औपचारिक अनुरोध करें।

दिक्कत यह है कि कांग्रेस की योजना में संयोजक का पद कुछ अस्पष्ट वजहों से %अनावश्यक% माना जा रहा है। इन चुनौतियों को देखते हुए ममता, नीतीश और अखिलेश जैसे 'इंडिया' गठबंधन के नेता चाहते हैं कि कांग्रेस अपनी तरफ से सुलह के कुछ संकेत दे और अनौपचारिक तौर पर गठबंधन का नेतृत्व क्षेत्रीय दलों को सौंपे। यह कड़वी दवा ही कांग्रेस के लिए एकमात्र उपचार है, जिसके लिए वक्त तेजी से खत्म होता जा रहा है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

आज का इतिहास

- 2007 - अमेरिका के नेतृत्व वाली गठबन्धन सेना और नाटो की सेनाओं ने दक्षिणी अफ़ग़ानिस्तान के मूसा कला ज़िले में तालिबानी आतंकवादियों पर हमले किये।
- 2005 - रेडक्रास और रेड क्रीसेंट सोसाइटी ने सफ़ेद पृष्ठभूमि में हीरे के आकार के एक लाल क्रिस्टल को नये अतिरिक्त चिह्न के रूप में स्वीकार किया।
- 2004 - पाकिस्तान ने 700 कि.मी. की दूरी तक मार करने वाली शाहीन-1 मिसाइल का सफल परीक्षण किया।
- 2003 - निलम्बन की अवधि बढ़ाये जाने के बाद जिम्बाव्वे ने राष्ट्रकुल से अपने को अलग करने की घोषणा की।
- 2002 - भारत की पारम्परिक जैव सम्पदा नीम, हल्दी और जामुन के बाद गौमूत्र को संयुक्त राज्य अमेरिका ने पेटेंट किया।

धरती को सूर्य की विस्फोटक तरंगों से खतरा

मुकुल व्यास

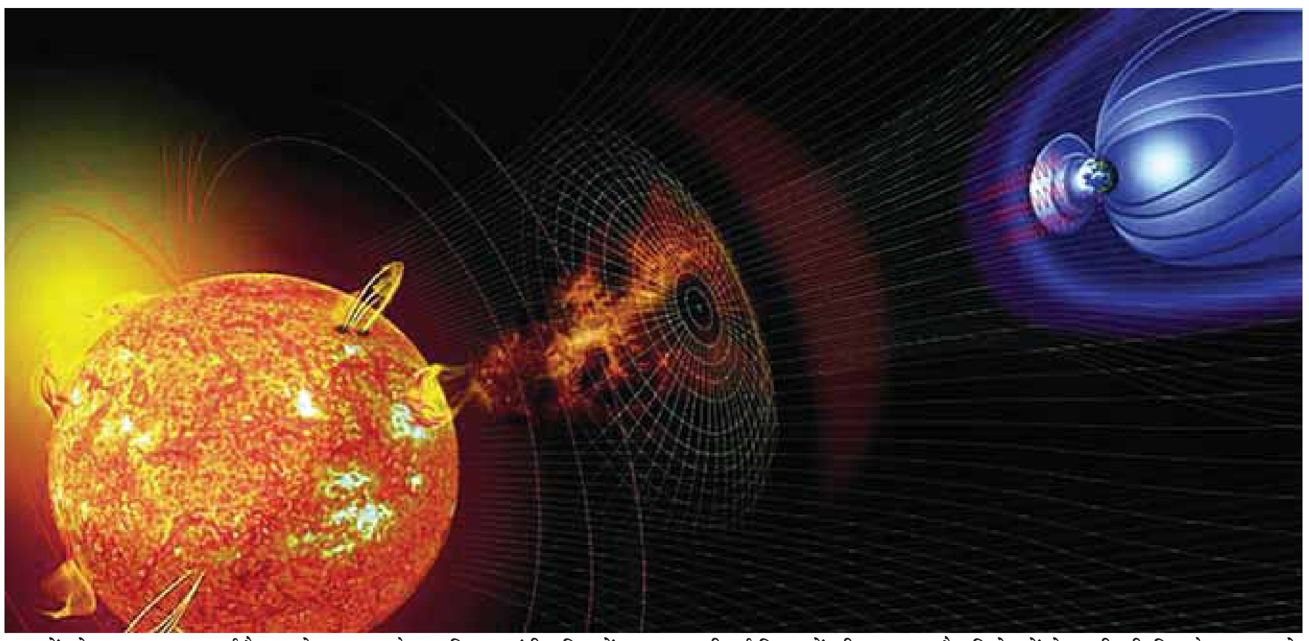

सूरज की सतह पर ज्वालाओं और प्लाज्मा के विस्फोट से निकलने वाली प्रचंड ऊर्जा सौर तूफान को जन्म देती है। इन्हें भू-चुंबकीय तूफान भी कहते हैं। यदि सूरज पर विस्फोट पृथ्वी की दिशा में होता है तो ऊर्जावान कणों की विशाल मात्रा पृथ्वी के चुंबक मंडल में गड़बड़ी उत्पन्न करती है। सूरज से उठने वाला सौर तूफान पृथ्वी के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर सकता है। अमेरिका जैसे देश सौर तूफान के विनाशकारी प्रभावों से इतने ज्यादा चिंतित हैं कि उन्होंने अभी से इससे निपटने के लिए आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। हमारी पृथ्वी अतीत में सौर तूफानों को झेल चुकी है। पिछला सबसे बड़ा सौर तूफान सितंबर, 1859 में आया था। तब सूरज की ऊर्जा के शक्तिशाली विस्फोट ने पृथ्वी के टेलीग्राफ सिस्टम ठप कर दिए थे। इस घटना को कैरिंगटन इवेंट के रूप में भी जाना जाता है। अब शोधकर्ताओं ने प्राचीन वृक्षों के तनों के छल्लों का उपयोग करके अब तक के सबसे बड़े सौर तूफान की पहचान की है। फ्रांसीसी आल्प्स में पाए गए प्राचीन वृक्षों के छल्लों के विश्लेषण के अनुसार यह घटना 14,300 साल पहले हुई थी।

विशेषज्ञों ने कहा कि पेड़ों के रेडियोएक्टिव कार्बन-14 (कार्बन का रेडियोएक्टिव आइसोटोप) में उछाल एक बड़े सौर तूफान के कारण हुआ था। कार्बन-14 पेड़ों और जानवरों में समाहित है। चूंकि इस रेडियोएक्टिव कार्बन का क्षय एक ज्ञात दर पर होता है, विज्ञानी इसके माध्यम से यह पता लगा सकते हैं कि ये जीव किस समय रहते थे। इससे प्राचीन वृक्षों के वार्षिक छल्लों में छिपे हुए सौर तूफानों का भी पता चल सकता है। आज इसी तरह का बड़ा सौर तूफान उपग्रह प्रणालियों को नष्ट कर सकता है और बड़े पैमाने पर बिजली ग्रिड के ब्लैकआउट का कारण बन सकता है। ऐसे सौर तूफान से होने वाला नुकसान अरबों डॉलर में होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की संचार और ऊर्जा प्रणालियों की रक्षा करने के लिए सौर तूफानों को समझना महत्वपूर्ण है। अपने अध्ययन के लिए ब्रिटेन के लीड्स विश्वविद्यालय सहित शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने दक्षिणी फ्रांसीसी आल्प्स में गैप के पास ड्रोज़ेट नदी के नष्ट हुए तटों पर प्राचीन पेड़ों में रेडियोएक्टिव कार्बन के स्तर को मापा। शोधकर्ताओं ने इन पेड़ों के तनों के छल्ले काटे। अलग-अलग छल्लों को करीब से देखने पर उन्होंने 14,300 साल पहले पेड़ों के रेडियोकार्बन के स्तर में एक अभूतपूर्व वृद्धि पाई। उन्होंने कहा कि यह उछाल संभवतः एक विशाल सौर तूफान के कारण हुआ, जिसने पृथ्वी के वायुमंडल में भारी मात्रा में ऊर्जावान कणों को छोड़ा होगा। फ्रांसीसी वैज्ञानिक और अध्ययन के प्रमुख लेखक एडौर्ड बार्ड ने बताया कि ब्रह्मांडीय किरणों द्वारा शुरू की गई क्रियाओं की एक शृंखला के माध्यम से ऊपरी वायुमंडल में रेडियो कार्बन का उत्पादन लगातार हो रहा है। लीड्स विश्वविद्यालय के प्रोफेसर टीम हेटन का कहना है कि चरम सौर तूफानों का पृथ्वी पर भारी प्रभाव पड़ सकता है। इस तरह के तूफान हमारे बिजली ग्रिड में ट्रांसफार्मर को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप महीनों तक भारी और व्यापक ब्लैकआउट हो सकता है। इनसे उन उपग्रहों को भी स्थायी क्षति हो सकती है जिन पर हम सभी नेविगेशन और दूरसंचार के लिए भरोसा करते हैं। पिछले 15,000 वर्षों में ऐसे चरम नौ सौर तूफानों की पहचान हुई है। इन्हें मियाके इवेंट्स के रूप में भी जाना जाता है। विशेषज्ञों ने कभी भी मियाके घटना को क्रियान्वित होते नहीं देखा है। सूर्य के व्यवहार के बारे में अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है। वैज्ञानिक यह भी जानना चाहते हैं कि क्या ऐसी घटनाओं की भविष्यवाणी की जा सकती है। सौर गतिविधि का प्रत्यक्ष माप 17वीं शताब्दी में सौर धब्बे (सनस्पॉट) की गिनती के साथ ही शुरू हुआ था। आजकल वैज्ञानिक जमीन-आधारित वेधशालाओं, अंतरिक्ष जांच और उपग्रहों का उपयोग करके विस्तृत रिकॉर्ड भी प्राप्त करते हैं। हालांकि ये सभी अल्पकालिक रिकॉर्ड सूर्य की पूरी समझ के लिए अपर्याप्त हैं।

सूरज के भीषण तूफान हर 100 या 200 वर्ष बाद उत्पन्न होते हैं। ध्यान रहे कि बड़े सौर तूफान चुंबकीय ऊर्जा के जमा होने से उत्पन्न होते हैं। यह ऊर्जा विकिरण के तीव्र विस्फोट के रूप में बाहर निकलती हैं। अंतरिक्ष के विषम मौसम का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि प्रचंड सौर तूफान से निपटना हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगा। 1889 के सौर तूफान ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका में टेलीग्राफ के तारों को अस्त-व्यस्त कर दिया था और इससे कई जगह आग लग गई थी। इस सौर तूफान ने कनाडा के राष्ट्रीय ग्रिड के कई महत्वपूर्ण ट्रांसफार्मर उड़ा दिए थे जिससे वहां बड़ा बिजली संकट पैदा हो गया था। इस तरह के तूफान 1956, 1972, 1989 और 2003 में भी आए थे जिनसे वायुमंडल में विकिरण का स्तर बढ़ गया था। 2012 में एक विनाशकारी सौर तूफान पृथ्वी के नजदीक से गुजर गया था। यदि आज हमें 1889 जैसा तूफान झेलना पड़े तो उसका प्रभाव ज्यादा व्यापक होगा क्योंकि आज हमारे विद्युत और दूरसंचार नेटवर्क बहुत ज्यादा उन्नत हो चुके हैं।

पिछली सदी की तुलना में आज हम ऐसे तूफान के आगे ज्यादा बेबस हैं क्योंकि हमारा समस्त जीवन आधुनिक इलेक्ट्रोनिक्स पर आधारित है। सबसे पहले ऐसे तूफान की शक्तिशाली विद्युत चुंबकीय तरंगों की चपेट में दूरसंचार उपग्रह आएंगे जो हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर के अहम अंग हैं। इससे विद्युत ग्रिडों के अलावा मोबाइल फोन नेटवर्क को नुकसान हो सकता है। सूरज से उठने वाला तूफान अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। हालांकि आधुनिक युग में कोई बड़ा सौर तूफ़ान नहीं आया है, हल्के सौर तूफ़ान नियमित रूप से पृथ्वी पर प्रहार करते रहते हैं। पिछले पचास वर्षों के दौरान ऐसे कई मौके आए जब सूरज से निकली विस्फोटक ऊर्जा तरंगें पृथ्वी के आसपास से गुजर गईं और हम इसके प्रभावों से बाल-बाल बच गए।

साभार : लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं। ये उनके अपने विचार हैं।

'हमारा परिवार सफेद कपड़े पहनता है, यदि भ्रष्टाचार करते तो इस पर दाग नजर आ जाता'

जिसे हमने जनपद अध्यक्ष बनाया वह हमारी बराबरी करने चला: पंडित भवानी शंकर

- पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष द्वय पर साधा निशाना, कहा- एक ने नर्मदा जल योजना में किया भ्रष्टाचार दूसरे ने प्रधानमंत्री आवास योजना में किया गोलमाल
- रेत के अवैध धंधे में लिप्त पूर्व पार्षद को भी नहीं बख्शा पंडित भवानी शंकर शर्मा ने
- कोरोना काल में मरीजों की सेवा के नाम पर चिकित्सक पर पैसा कमाने व राजनीतिक रूचि पर दिया डोज

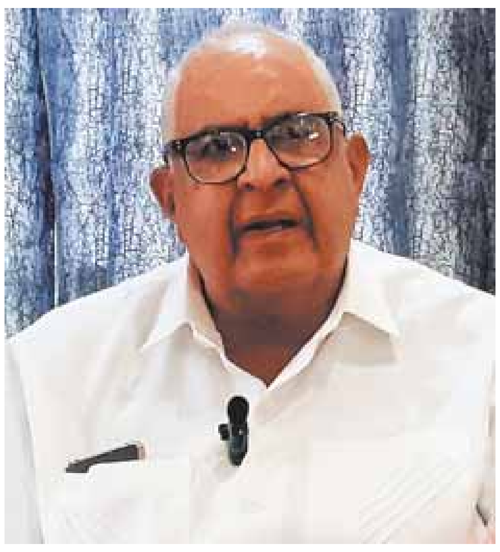

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राजनीति परिदृश्य पर अपनी बेवाक बात रखने वाले जिले के प्रतिष्ठत कृषक व दबंग समाजसेवी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित भवानी शंकर शर्मा ने गुरुवार को उन मतलब परस्त और भाजपा नेताओं को जी भरकर कोसा जिन्होंने बीजेपी प्रत्याशी डॉक्टर सीता शरण शर्मा के विरुद्ध चुनाव में काम किया था।

प्रेस वार्ता कर पंडित भवानी शंकर शर्मा ने कहा जिन्हें चुनाव में टिकट लेना है वह अपनी योग्यता से टिकट ले लेकिन किसी परिवार को निशाना बनाकर कहे कि अमुक परिवार को ही हमेशा से टिकट मिल रही है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने यह कहा था कि 35 सालों से शर्मा परिवार को ही टिकट मिल रही है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए पंडित शर्मा ने कहा भारतीय जनता पार्टी को जो उचित उम्मीदवार लगता है उसे टिकट दी जाती है। इस बार भी पार्टी ने जिसे उचित समझा उसे टिकट दी। मतदाता ने उन्हें विजेता बनाकर विरोधियों का मुंह बंद कर दिया। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित शर्मा ने कहा हमारा पूरा परिवार सफ़ेद कपड़े पहनता है। जिस पर एक भी दाग लग जायेगा तो वह दूर से ही नजर आ जाएगा। जबकि दूसरे अपने दामन में झांक कर देखें तो हजारों दाग हैं। ऐसे लोग रंगीन कपड़े इसलिए पहने हुए हैं ताकि उनके दाग ढक जाए। शहर के नागरिक जानते हैं कि हमारे परिवार में कभी किसी ने कोई गलत काम नहीं किया। हर व्यक्ति को हम बराबरी से सम्मान देते हैं। बिना नाम लिए पंडित शर्मा ने दोगले विरोधियों को तबियत से कोसते हुए कहा कि जिसे हमने जनपद अध्यक्ष बनाया आज वह हमारी बराबरी करने लगा है। ऐसे को चुनाव में साथ देने के लिए एक निजी अस्पताल के संचालक ने साथ दिया। वह कुछ साल पहले नर्मदापुरम में एक छोटे से रूप में आया और आज किस तरह से एक अस्पताल चला रहा है। यह समझने वाले बखूबी समझते हैं। अपने आप को समाज सेवी बताने वाला यह क्या है इसकी असलियत सब जानते हैं। इस ने कोविड के समय कई लोगों से इलाज के नाम पर पैसे कमाए हैं। इतना ही नहीं सरकार की आयुष्मान योजना से फायदा उठाकर अपनी घटिया समाज सेवा का परिचय दिया।

चुनाव में डॉक्टर सीता शरण शर्मा का विरोध करने वालों को लेकर पंडित भवानी शंकर ने कहा कि नगर पालिका के पूर्व दो अध्यक्ष ने तबीयत से भ्रष्टाचार करके सरकारी धन को हड़पा। एक पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री आवास योजना में करोड़ों घोटाला किया था जिसका जांच में खुलासा भी हो गया है। दोष सिद्ध होने पर शासन ने उसे कार्यकाल पूर्ण होने से दो दिन पहले हटाकर नागरिकों के सामने उसकी असलियत बता दी। प्रधानमंत्री आवास योजना घोटाले पर अभी प्रकरण हाईकोर्ट में चल रहा है। एक पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनकी आर्थिक स्थिति नपा अध्यक्ष बनने से पहले क्या थी यह सबको पता है। जिनके पास स्कूटी मेंटेनेंस के लिए पैसा नहीं होता था आज वह महंगी कार से घूम रहे हैं। भ्रष्टाचार की कमाई से अपना आलीशान मकान बनाया। इन दोनों पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष के समय प्रारंभ की हुई नर्मदा जल योजना जो कि भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ी। इस नर्मदा जल योजना में सस्ते पाइप खरीदे गए हैं। जिनकी गुणवत्ता पर अभी भी सवाल उठ रहे हैं। नगर की जनता इन के कारनामों को जानती है।

पंडित भवानी शंकर शर्मा ने नगर पालिका के पूर्व अध्यक्षों को ही नहीं धोया बल्कि एक पूर्व पार्षद पर भी निशाना साधते हुए कहा कि एक पूर्व पार्षद जो की रेत के अबैध काम में लिप्त है। एक पार्टी का महामंत्री जो की सट्टे के काले धंधे से जुड़ा हुआ है। इन सब ने चुनाव में खुलकर विरोध किया है। पहले यह सब लोग अपनी गिरहबान में झांक कर तो देखें फिर किसी पर आरोप लगाए।

पंडित भवानी शंकर शर्मा अपनी बात कहने से कभी नहीं चूकते

नर्मदापुरम जिले में किसी बात को लेकर जिस दबंगता के साथ और जिस सच्चाई के साथ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित भवानी शंकर शर्मा बोलते हैं वैसी दबंगता आज तक किसी नेता या समाजसेवी में दिखाई नहीं दी। इसका सबसे बड़ा कारण तो यह रहा कि शर्मा परिवार पर कभी किसी प्रकार का भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। बीस साल पहले जिला पंचायत चुनाव के समय पंडित भवानी शंकर शर्मा के विरुद्ध पूर्व कलेक्टर केसरी सिंह चौहान खड़े हुए थे। चौहान के समर्थन में सांसद सरताज सिंह से लेकर कई दिग्गज नेता चुनाव प्रचार के लिए रात दिन घूमते रहे लेकिन वह पंडित भवानी शंकर शर्मा को हरा नहीं सके। क्षेत्र की जनता में उनका जो सम्मान है वैसा सम्मान प्राप्त करने के लिए इन भ्रष्टाचारी नेताओं को सात जन्म लेने पड़ेंगे।

चाहे जिला पंचायत का चुनाव हो चाहे जनपद पंचायत का चुनाव या फिर नगर पालिका का चुनाव क्यों ना हो पंडित भवानी शंकर शर्मा की रणनीति का कोई तोड़ नहीं रहा। उनकी इसी काबिलियत को लेकर कुछ लोग उनसे ईर्ष्या और विद्वेष की भावना रखते हैं।

पंचायत उप निर्वाचन के तहत निर्वाचन क्षेत्रों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर लगाया गया प्रतिबंध

सीहोर, दोपहर मेट्रो

जिले मेंपंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष-2023उत्तरार्ध के लिये निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिए गए हैं। मतदान 5 जनवरी 2024को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंचायत उप निर्वाचन 2023 (उत्तरार्द्ध) के तहत निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचन प्रचार-प्रसार कार्य में लाउड स्पीकर के अनियंत्रित उपयोग से होने वाली जन परेशानी, ध्वनि प्रदूषण व शांति व्यवस्था के दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 18 के अंतर्गत अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व) की अनुमति के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है। यह आदेश संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में 06 दिसम्बर 2023 से प्रभावशील होकर पंचायत उप निर्वाचन 2023 की प्रक्रिया समाप्ति 11 जनवरी 2024 तक प्रभावशील रहेगा। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जारी आदेश अनुसार निर्वाचन संबंधी ग्राम पंचायतों तथा वार्डों के लिये आम सभा जुलूस में एवं प्रचार कार्य के लिए लगे वाहनों तथा उन पर लगे लाउड स्पीकर तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग की अनुमति, संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व) से प्राप्त कर सुबह 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक किया जा सकेगा।

निर्वाचन संबंधित ग्रामो एवं वार्डों में शस्त्र अनज्ञप्तियां निलंबित की गई

जिले मेंपंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष-2023उत्तरार्ध के लिये निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिए गए हैं। मतदान 5 जनवरी 2024को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा।पंचायत उप निर्वाचन 2023 (उत्तरार्द्ध) को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने शस्त्र अधिनियम 1959 की विभिन्न धाराओं के तहत निर्वाचन संबंधित ग्रामो एवं वार्डों में शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को प्रदत्त अनुज्ञप्तिया निलंबित करने के आदेश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह के आदेश अनुसार पंचायत के उप निर्वाचन 2023 (उत्तरार्द्ध) की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाने से यह आदेश जारी दिनांक 06 दिसम्बर 2023 से निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने तक दिनांक 11/01/2024 तक शस्त्र अनुज्ञप्तियों निलंबन की गई है। यह आदेश कानून एवं व्यवस्था के कार्य में लगे पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, समस्त केन्द्र शासन, राज्य शासन के विभागों में कार्यरत् सेवा निवृत्त अधिकारी, कर्मचारी, केन्द्र, राज्य शासन के उपक्रमों के अधिकारी, कर्मचारी, शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय बैंकों के गार्ड के तौर पर कार्यरत् लायसेंसियों पर लागू नही होगा।

अधिकारी-कर्मचारियों को झंडा लगाकर दान राशि एकत्र की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 7 दिसम्बर को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय नर्मदापुरम के तत्वावधान में झंडा दिवस मनाया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों व कर्मचारियों को झंडा लगाकर उनसे दान राशि एकत्रित की। इस दान राशि से शहीद सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के लिए अनेक कल्याणकारी कार्य किये जाते हैं। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के अधिकारी कर्मचारियों ने अपर आयुक्त आर पी सिंह, जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों को झंडा दिवस पर बैच लगाया गया। इस दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर अनुराग सक्सेना (से.नि.), कैप्टन बलराम राणा(से.नि.), कल्याण संयोजक हवलदार सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव (से.नि.) और अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि देश की रक्षा एवं सुरक्षा के दौरान शहीद सैनिकों को स्मरण करने व उनके आश्रितों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए 7 दिसम्बर को पूरे भारत में सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाईन तथा विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

रायसेन, दोपहर मेट्रो

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा समय सीमा वाले शासकीय पत्रों, सीएम हेल्पलाईन, शासकीय गतिविधियों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने सभी अधिकारियों से कहा कि आदर्श आचार संहिता समाप्त हो गई है। सभी अधिकारी लंबित विभागीय गतिविधियों, निर्माण कार्यो को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराएं। उन्होंने जिले में डीएपी, यूरिया सहित उर्वरकों की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान किसानों को वितरित की गई उर्वरकों की मात्रा, उपलब्ध स्टॉक आदि की जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जिले में रबी फसलों की बोवनी, सिंचाई स्त्रोत में जल की उपलब्धता, नहरों की साफ-सफाई आदि की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कृषि, राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, पीएचई सहित अन्य विभागों की गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे सहित अनेक विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर भार्गव ने आमजनों की समस्याएं सुनीं, निर्देश दिए

विदिशा, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में समस्याओं के समाधान हेतु आने वाले आम नागरिकों से उनकी समस्या से संबंधित आवेदन प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को उक्त आवेदनों का निराकरण कराए जाने के निर्देश दिए हैं। लेक्टर श्री भार्गव ने अपने चेंबर के बाहर समस्याओं को लेकर आए आवेदकों से संवाद कर उनकी परेशानी को जाना है। इसके बाद उन्होंने आवेदकों के आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्या शीघ्र अति शीघ्र निराकरण हो सके इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नियत समयावधि में आवेदकों की समस्याओं का निराकरण करें।

मेट्रो एंकर | माखनलाल चतुर्वेदी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर गोष्ठी का आयोजन किया

माखनलाल चतुर्वेदी की कर्मभूमि हिरनखेड़ा का भ्रमण कर विद्यार्थियों ने जाना स्वराज का अर्थ

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

शासकीय कुसुम महाविद्यालय के हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने भारतीय आत्मा माखनलाल चतुर्वेदी की कर्मभूमि हिरनखेड़ा का शैक्षणिक भ्रमण किया । भ्रमण दल का ग्राम पंचायत की सरपंच अमृता लिटोरिया एवं युवा समाजसेवी आशुतोष लिटोरिया ने मंगल भवन में पुष्प माला एवं रोली लगाकर किया द्य मंगल भवन में माखनलाल चतुर्वेदी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर गोष्ठी का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ माखनलाल चतुर्वेदी एवं महात्मा गाँधी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जल्वित कर व माल्यार्पण कर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार रघुवंशी , सरपंच अमृता लिटोरिया एवं ग्राम के गणमान्य नागरिको ने किया।

गोष्ठी का संचालन आशुतोष लिटोरिया ने किया द्य गोष्ठी में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रमाकान्त सिंह, डॉ.प्राची सिंह ने माखनलाल चतुर्वेदी के कृतित्त्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला द्य छात्रा कु. अर्चना यदुवंशी ने पुष्प की अभिलाषा का वाचन किया द्य इतिहासविद, वरिष्ठ पत्रकार विजय ठाकुर ने माखनलाल चतुर्वेदी के द्वारा हिरनखेड़ा में चलाये गये प्रकल्प आवासीय विद्यालय सेवासदन की विशेषताएं, क्रन्तिकारी गतिविधियों, साहित्य सृजन एवं ऐतिहासिक पृष्ठिभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला द्य अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार रघुवंशी ने शैक्षणिक भ्रमण के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए पर्यावरण परिस्थितिकी तंत्र को बचाने का आव्हान विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिको से किया । कार्यक्रम में बृजमोहन गौर, कमल किशोर गौर, शेख जमीर, नितेश गौर, ऋषभ गौर, देवेंद्र लौवंशी, शास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिरनखेड़ा के प्रभारी प्राचार्य राकेश साहू, श्यामलाल चौहान, मुकेश गौर, विपत भारती, रजत सोनी, संजय गोस्वामी,विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहें द्य संगोष्ठी पश्चात माखनलाल चतुर्वेदी का आवासीय विद्यालय, स्वराज बगीचा की कर्मभूमि एवं प्रसिद्ध गोमुखी तालाब का भ्रमण किया गया।

70 नोटिसों में से सिर्फ 7 डॉक्टरों ने प्रस्तुत किए अपने दस्तावेज, जांच टीम द्वारा अभी अपनी रिर्पोट न सौपने को लेकर उठ रहे सवाल

स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही फर्जी डॉक्टरों की जांच हुई टांए टांए फिस्स!

बीएमओ बोले - फर्जी डॉक्टरों की क्लीनिक होगी सील या फिर होगी एफआईआर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विगत दिन पूर्व स्वास्थ्य विभाग द्वारा बडें जोर सौर से फर्जी डॉक्टरों की जांच करने के लिए बीएमओं डॉ विकास बघेल द्वारा चार सदस्य टीम बनाई गई। जिस टीम ने शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में संचालित फर्जी डॉक्टरों की क्लीनिकों पर पहुचकर जांच की। तो वही जानकारी के अभाव में बीएमओ डॉ विकास बघेल द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 70 प्राईवेट क्लीनिक संचालकों को नोटिस जारी किए गए थें और उक्त नोटिस में उल्लेख था कि नोटिस मिलने के 3 बाद नोटिस का जवाब देते हुए क्लीनिकों का पंजीकरण सहित अन्य दस्तावेज देने की बात कही गई थी। लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद सिर्फ 7 डॉक्टरों ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिले नोटिस का जवाब दिया। बाकी के लगभग 60 से 65 डॉक्टरों ने उक्त नोटिस को हवा में उडा दिया।

अस्पताल प्रबंधन ने हवा में उडाई मुहिम - प्राप्त जानकारी अनुसार विदिषा सीएमएचओ ने सिरोंज बीएमओ को आदेष दिया था कि सिरोंज क्षेत्र में संचालित हो रही फर्जी क्लीनिकों व नर्सिग होमो के दस्तावेजो की जांच के निर्देष दिए थें। वही बीएमओ ने सीएमएचओ के उक्त आदेष का पालन करते हुए चार सदस्य टीम को गठित किया। उस टीम ने कुछ गिनी चुनी क्लीनिकों पर पहुचकर जांच की। साथ ही एक दो गांवों में जाकर टीम ने रस्मदायी पूरी की। इसी बीच बीएमओं द्वारा बताया था कि हमारे पास ऐसी कोई सूची नही कि जिसके आधार पर हम क्लीनिकों व नर्सिग होमो की जांच कर सकें। सिर्फ भी हमनें अपने स्तर पर जानकारी जुटाकर लगभग 70 लोगों को नोटिस जारी किए है। टीम जब जांच करने निकली तो उस टीम के साथ न तो कोई पुलिस कर्मी था और न ही प्रषासन का कोई अधिकारी। जिसके चलते उक्त टीम की जांच एक मजाक बन कर रह गई।

70 नोटिसों में 7 का आया जवाब

स्वास्थ्य विभाग के बीएमओ डॉ विकास बघेल का कहना है कि सिरोंज व ग्रामीण क्षेत्रो में लगभग 70 डॉक्टरों को नोटिस जारी किए थें। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रो में नोटिस पहुचे ही नही और स्वास्थ्य विभाग ने कागजों में ही नोटिस जारी कर दिए गए। टीम की कार्यवाही होने के बाद सिर्फ 7 लोगो ने स्वास्थ्य विभाग को अपनी क्लीनिकों के दस्तावेज प्रस्तृत किए। अब स्वास्थ्य विभाग बाकी डॉक्टरों के जवाब आने के इंतजार में बैठा है।

स्वास्थ्य विभाग को सीएमएचओं के आदेष का इंतजार

स्वास्थ्य विभाग सिरोंज द्वारा तबाड़तोड कार्यवाही व नोटिस जारी करने के बाद भी जांच टीम बीएमओ को अभी तक कोई रिर्पोट नही सौप पाई। यह बात बीएमओ ने विदिषा सीएमएचओ को बताई है। लेकिन अभी तक कोई जवाब नही आया और न ही सीएमएचओ ने अभी तक कोई आदेष जारी किया।

जांच टीम द्वारा अभी तक रिर्पोट न देने पर उठ रहें कई सवाल

बीएमओ द्वारा अस्पताल में पदस्थ डॉ गोलू जाटव के नेतृत्व में एक चार सदस्य टीम गठित की थी। उक्त टीम द्वारा कुछ क्लीनिकों की जांचे की गई और कुछ जांच तो घर बैठे बैठे हो गई और कुछ जांचे कागजों में ही पूरी कर दी गई। उक्त जांच की रिर्पोट को डॉ गोलू जाटव को बीएमओ को सौपना था जो अभी नही सौपी गई। वही जांच टीम द्वारा कुछ गावों में पहुचे के बाद फर्जी डॉक्टरों को सिरोंज में बुलाया गया था। लेकिन वह डॉ भी अभी तक सिरोंज में नही आए। वही अनुमान लगाया जा रहा है कि शायद जांच टीम गांवो के डॉक्टरों का इंतजार कर रही है। या तो क्लीनिक सील होगी या सिर्फ एफआईआर दर्ज होगी - शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय बीएमओ डॉ विकास बघेल ने बताया कि हमनें 70 क्लीनिकों संचालकों को नोटिस भेजें थें जिनमें से लगभग 6 व 7 लोगो के दस्तावेज आए है। जांच टीम के प्रभारी डॉ गोलू जाटव ने अभी हमें अपनी रिर्पोट नही सौपी है। इसलिए हमने सीएमएचओ से कुछ समय मांगा है जिन क्लीनिकों संचालकों द्वारा अभी तक नोटिस का जवाब नही दिया गया है। उनकी क्लीनिक या तो सील होगी या फिर उन लोगो पर एफआईआर भी दर्ज हो सकती है। इस संबध में सीएमएचओ के अगले आदेष का हमें इंतजार है।

आभार सभा का हुआ आयोजन, मुस्लिम पार्षदों के वार्ड में हारी भाजपा, शर्मा नहीं कराया स्वागत

देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना हमारा ध्येय:उमाकांत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आभार सभा में भी विधायक उमाकान्त शर्मा अलग ही अंदाज नजर आए उन्होंने अपनी ओर प्रदेशभर में भाजपा की बंपर जीत का श्रेय लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा,मुख्यमंत्री शिवराजसिंह की और सनातन की जीत बताते हुए कहा कि यह भगवा ओर भारत माता की जीत है। उन्होंने तीनों राज्यों में कांग्रेस की शर्मनाक हार को राष्ट्र विरोधियो की हार बताया है। इस मौके पर उन्होंने भीतरघात करने वालो को भी आड़े हाथ लेते हुए कहा कि गद्दार न देश में चाहिए न पार्टी में न घर मे। ऐसे ही जयचंदो की वजह से सिरोंज की राजनीति में संत स्वभाव सेवा करने वाले लक्ष्मीकांत जी का कुछ अपनो ने कुछ गैरो ने अभिमन्यु की तरह फसाकर राजनैतिक हत्या कर दी ओर उनको 2013 का चुनाव हरा दिया तथा सिरोंज की तकदीर तस्वीर बदलने वाले विकास को भी रोक दिया। उत्साह से लबरेज कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि सिरोंज लटेरी की जनता जनार्दन ने मुझे व हम सबके नेता स्व.लक्ष्मीकांत शर्मा को बार बार इतना आशीर्वाद प्रेम स्नेह दिया है कि में कोटि कोटि जन्म ले लू तो आप सबके ऋण से मुक्त नही हो सकता। उन्होंने अगले जन्म में भी भगवान से इसी भूमि पर जन्म दिए जाने की कामना करते हुए कहा कि उमाकांत शर्मा समाज की संपत्ति है मेरा जीवन देश,समाज और कार्यकर्ताओं तथा जनता के लिए समर्पित है। मुझे व मेरे परिवार को आप सबसे हमेशा की तरह मिले प्रेम स्नेह से में इतना अभिभूत और गदगद हूँ कि जिसको शब्दो में व्यक्त करना चाहूँ तो कम है ऐसे में मन करता है कि में स्वयं को भी आप पर न्योछावर कर दूँ। मेंने सच्चे मन से जनता जनार्दन मतदाता बहिनो भाइयों बुजुर्गो कार्यकर्ताओ की सेवा करने का प्रयास किया है। आज भारत के विश्व मे मजबूती के साथ स्थापित होना अन्य महाशक्तियों को खटक रहा है। टुकड़े टुकड़े गैंग देश मे फिर से अराजकता का माहौल बनाना चाहती है। इसके लिए देश के हितों की रक्षा के लिए मोदी जी नेतृत्व की राष्ट्रवादी सरकार बहुत आवश्यक है । इससे पहले उन्होंने जिन वार्ड में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद है और वहां मुस्लिम वार्ड हैं यहां पर पार्षद तो भाजपा को बताने के लिए कोई मेहनत नहीं की इस बात की नाराजगी भी विधायक ने चुनाव जीतने के बाद जाहिर इन वार्डो के पार्षद में स्वागत करवाने से इनकार कर दिया पार्षद के चुनाव होते हैं तो भाजपा के पार्षद चुनकर आते हैं और जब विधानसभा का चुनाव आया तो उमाकांत शर्मा को यहां से बुरी तरह हर का सामना करना पड़ा वार्ड क्रमांक 5 और 6 के पार्षद विधायक श्री शर्मा का स्वागत करने आऐ तो उन्होंने इसे अपना स्वागत करवाने से मना कर दिया । क्योंकि उनकी नाराजगी भी सही थी जब पार्षद का चुनाव होता है तो भाजपा कैसे जीत जाती है । यदि तब जीती है तो विधानसभा चुनाव में भी इन पार्षदों को भाजपा को जितने के लिए मेहनत की होती तो परिणाम कुछ और होता । स्वागत नहीं करवाने की चर्चा है दिन भर चलती रही।

जयचंदनो के 2013 में लक्ष्मीकांत जैसे सेवक को करवरकर सामी का विकास रोक दिया था ऐसे जयचंद्र सिरोंज के हितेषी नहीं है, इनको जनता ने दिया कारा जवाब होगा उमाकांत शर्मा

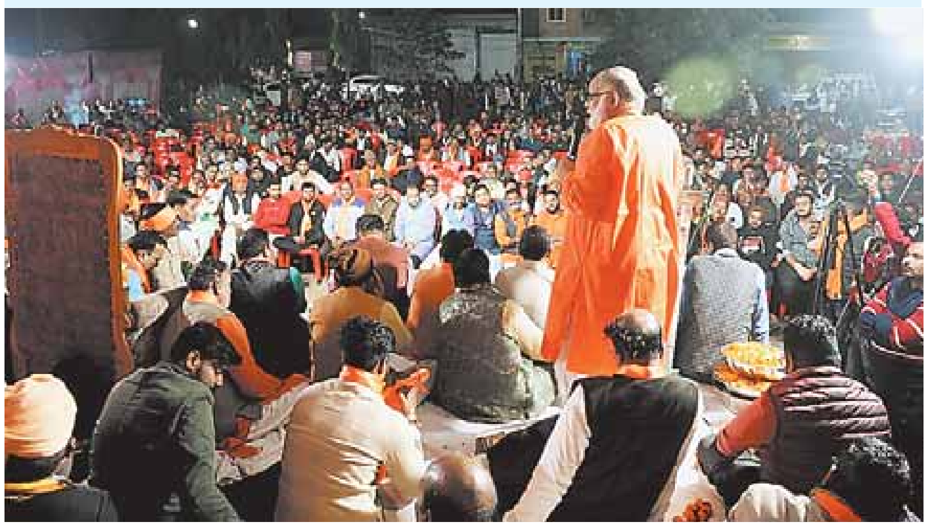

सनसनीखेज घटना को अंजाम देने वाले, तीनों आरोपियों को सुनाई आजीवन कारावास की सजा, लगाया अर्थदंड

सिरोंज। गुरुवार को अपारशास्त्र न्यायाधीश सुरेन्द्र मेश्राम ने 2019 में ग्राम झूकर हौज में गंभीर अपराध को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की साज एवं तीन 3000 के अर्थ दंड से दंडित किया है। प्रकरण की जानकारी देते हुए शासकीय लोग अभियोजक मनीष वर्मा ने बताया कि झुकर हौज मैं बेरी के पेड़ काटने को लेकर विवाद हो गया था आरोपियों ने पीड़ित हरि सिंह के सिर पर हमला करके पूरी तरह से घायल कर दिया था बचाव करने आए उनके लड़के को भी घायल कर दिया इसके बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया था पुलिस के द्वारा वहीं पर नायलॉन से पूछताछ की गई थी। 2019 का घटना में दोषी पाए गए आरोपी फूल सिंह यादव, बनवारी यादव एवं कलेक्टर सिंह यादव को आजीवन कारावास की सजा तथा तीन , तीन हजार के अर्थ दंड से दंडित किया गया पूरे मामले की जानकारी पीड़ित के लड़के ने एसआई अशोक यादव को बताई थी इसके बाद घायलों का इलाज के लिए शासकीय राजीव गांधी भर्ती कराया था जहां पर पुलिस ने हरि सिंह और उनके लड़के के बयान लिए थे। फिर मामले की जांच पड़ताल हुई गवाहों बयानों तथा साक्ष्य मिलने पर अपारशक्ष न्यायाधीश ने सनसनी खेज वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा एवं दंड से दंडित किया है।

युवा सेन समाज की हुई बैठक, नवीन कार्यकारिणी का गठन

सिरोंज। गुरुवार को युवा सेन समाज की नवीन कार्यकारी गठन करने के लिए बैठक आयोजित हुई जिसमें विभिन्न विषयों पर विचार विनाश हुआ इसके बाद नवीन गठित की तहसील अध्यक्ष की जिम्मेदारी देशराज सेन को सौंपी गई। गगन सेन, और रामबाबू सेन को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया सचिव दिनेश सेन सह सचिव गोलू सेन एवं मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सुनील सेन को दी गई है। अन्य कार्यकारिणी भी गठित की गई है। कार्यकारिणी का गठन समाज के बेस्ट अनोखी उपस्थिति में किया गया इसके बाद सभी नवीन पदाधिकारी का स्वागत हुआ साथ ही समाज को संगठित व शिक्षित बनाने एवं पुरानी कृतियों को मिटाकर समाज के हित में सभी लोग मिलकर काम करेंगे इस तरह संकल्प भी लिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद थे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय से मिले एड. शोयेब खांन

सिरोंज। पूर्व नपा उपाध्यक्ष एडवोकेट शोयेब खांन एवं अलीम उल्लाह बैग ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से भोपाल निवास पर मुलाकात की और विधानसभा चुनाव पर मंथन किया।

मेट्रो एंकर

विदिशा जिला के चार शहर जुआ सट्टा, चोरों की है गिरफ्त में

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे है सवाल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

हर एक आम आदमी, हर एक जन मानस,हर जाति समुदाय, हर एक महिला पुरूष, हर एक युवक युवती सभी के सभी चाहते है कि हम जहां भी जिस शहर में रहते है वहां का वातावरण, वहां की आव हवा स्वच्छ साफ सुथरी हो। पर कुछ लोग अवैधानिक कार्य कर, शांत प्रिय, स्वच्छ वातावरण को दूषित करने में कोई कसर वाकी नहीं छोड़ रहे है।

समाज व कानूनी विरोधी कहे जाने वाला सट्टा, जुआ विदिशा जिला के गंजबासौदा, सिरोंज,शमशाबाद, कुरवाई सहित अन्य जगहों पर विना किसी डर भय के जारी है। वहीं चोर भी वेखौफ होकर चोरियों को अंजाम दे रहे है। जिसके परिणाम स्वरूप पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया ऊंगली उठने लगी है। संवैधानिक नागरिकों का कहना है कि जुआ सट्टा के चलते सैकड़ों लोगों के घर तवाह हो चुके है और सैकड़ो तवाह होने की कगार पर है। इस सट्टा जुआ सेक्स रेकेट के चलते, शहर की छवि तो धूमिल हो ही रही है । इधर वरिष्ठ समाजवादी नेता कमलसिंह रघुबंशी का कहना है कि इन संचालित अवैध कार्यो का सीधा सीधा असर युवा पीढ़ी सहित महिलाओं पर पड़ रहा है। सट्टा व जुआ खिलाड़ियों की आदतन के चलते घर घर में लड़ाई , झगड़ा होना आम बात हो गई है। शहर के नेतागणों के साथ पुलिस भी चुप्पी साधे हुए है।कई गांवों में लकड़ी जुआं , तो कहीं सट्टा, तो कहीं अवैध शराब ,गांजा, व्राउन शुगर की विक्री (तस्करी) तो कहीं सेक्स रेकेट, देह व्यापार का कारोबार, तो कहीं चोर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे है। तो कहीं खाद्य सामाग्री में मिलावट का धंधा दिनो दिन जोर पकड़ता जा रहा है। अवैध कॉलोनियों का निर्माण किसी से छिपा नहीं है। गांजा,व्राउन शुगर ने युवा पीढ़ी को नशा का आदतें बना रखा है। जिसके चलते युवा पीढ़ा का आगामी जीवन अंधकारमय होता दिखाई दे रहा है । समय रहते इस और ध्यान नहीं दिया गया तो युवा पीडी बर्बाद हो जाएगी

कार्यालय थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज नगरीय पुलिस जिला भोपाल

क्रमांक- 22/2023 दिनांक :- 05/12/2023

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सूचक राजू राजपूत पिता मुंशीलाल राजपूत उम्र 46 साल निवासी हनुमान मंदिर के पास इब्राहिमगंज थाना हनुमानगंज भोपाल हाल पता- खजूरी कला थाना पिपलानी मो.नं. 8319287434 की सूचना पर गुमशुदा श्रीमति ऊषा राजपूत पति राजू राजपूत उम्र 38 साल निवासी सदर के गुमने की रिपोर्ट दिनांक 12-05-2023 को थाना हनुमानगंज जिला भोपाल में गुम इंसान क्रमांक 22/2022 कायम कर जांच में लिया गया है जिसका आज दिनांक तक काफी तलाश पतारसी करने के बाद भी कोई पता नहीं चल पाया है। गुमशुदा ऊषा राजपूता का - **हुलिया - कद 5 फिट 4 इंच, रंग गेंहुआ, सलवार सूट पहनी है सीधे हाथ पर टेटू गुदा है, दाहिनी आंख की भौंह केपास पुरानी चोट का निशान है।** जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। अगर इस गुमशुदा के बारे में किसी भी प्रकार की कोई जानकारी मिलती है तो थाना हनुमानगंज जिला भोपाल के दूरभाष नंबर- 0755-7677323, 7049104316 पर संपर्क कर सूचित करने की कृपा करें।

थाना प्रभारी
थाना हनुमानगंज
जिला भोपाल

G-21311/23

दक्षिण अफ्रीका दौरा: 8 मैच खेलेगी टीम इंडिया, हर फॉर्मेट में अलग-अलग कप्तान

मुंबई, एजेंसी

साउथ अफ्रीकी दौरे पर टी20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव कप्तान होंगे. वहीं, वनडे सीरीज में केएल राहुल अगुवाई करेंगे. जबकि टेस्ट सीरीज में कप्तानी की जिम्मेदारी रोहित शर्मा पर होगी. भारतीय टीम साउथ अफ्रीकी दौरे पर टी20 मैचों के बाद वनडे और टेस्ट सीरीज खेलेगी. इस दौरे पर तीनों फॉर्मेट के लिए 3 अलग-अलग कप्तान होंगे. वहीं, इस दौरे का आगाज 10 दिसंबर को टी20 मैच के साथ होगा. इसके बाद दूसरा और तीसरा टी20 मैच क्रमशः 12 और 14 दिसंबर को खेला जाएगा। भारत-साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज के मुकाबले भारतीय समयनुसार रात 9.30 बजे शुरू होंगे. इसके बाद दोनों टीमें वनडे सीरीज में आमने-सामने होगी. भारत-साउथ अफ्रीका के बीच पहला वनडे 17 दिसंबर को खेला जाएगा. दोनों टीमें जोहांसबर्ग के मैदान पर आमने-सामने होगी. इसके बाद सीरीज का दूसरा और तीसरा वनडे 19 और 21 दिसंबर को खेला जाएगा. वनडे सीरीज का पहला मुकाबला भारतीय समयनुसार दोपहर 1.30 से खेला जाएगा. लेकिन इसके बाद दोनों मुकाबले शाम 4.30 बजे से खेले जाएंगे। भारत-साउथ अफ्रीका के बीच टी20 और वनडे मैचों के बाद 2 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी. इस सीरीज का पहला टेस्ट 26 दिसंबर से खेला जाएगा. पहले टेस्ट की मेजबानी सेंचुरियन करेगा. इसके बाद सीरीज का दूसरा टेस्ट 3 जनवरी से केप टाउन में खेला जाएगा. इस टेस्ट सीरीज के मुकाबले भारतीय समयनुसार दोपहर 2 बजे से खेला जाएगा. भारत-साउथ अफ्रीका सीरीज के मुकाबले भारतीय फैंस स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव देख पाएंगे. इसके अलावा डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीमिंग देख सकेंगे.

14 जनवरी से हो रही है शुरुआत, फाइनल 28 जनवरी को खेला जाएगा

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024: राफेल नडाल और ओसाका की वापसी

भोपाल, एजेंसी

स्पेन के टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में खेलेंगे। नडाल करीब एक साल बाद चोट से वापसी कर रहे हैं। इसकी जानकारी ऑस्ट्रेलियन ओपन ने अपने वेबसाइट पर दी है। ऑस्ट्रेलियन ओपन ने पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में नडाल के अलावा जापान की नाओमी ओसाका का नाम भी है। वो भी लंबे समय से टेनिस मैदान से दूर थीं। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 की शुरुआत 14 जनवरी से हो रही है, जिसका फाइनल 28 जनवरी को खेला जाएगा। टूर्नामेंट में करीब 200 खिलाड़ी (मेंस और विमेंस) हिस्सा लेंगे।

यह है ओपन का इतिहास

ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

साल का पहला ग्रैंड स्लैम है...

टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में यूएस ओपन होता है। यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 में चोटिल हुए थे नडाल

नडाल जनवरी, 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर से बाहर हो गए थे। उन्हें सीधे सेटों में हार मिली थी। मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने नडाल को 6-4, 6-4, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया था। इसी मैच के दौरान नडाल चोटिल हो गए थे। वो तब से टेनिस से दूर थे। 37 साल के नडाल ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेंगे, जो 31 दिसंबर 2023 से शुरू होगा और 7 जनवरी 2024 को इसका फाइनल खेला जाएगा।

मां बनने के बाद पहला ग्रैंड स्लैम खेलेंगी ओसाका

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने सितंबर 2022 के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। वो आखिरी बार 2022 में टोक्यो में पैन पैसिफिक ओपन में खेली थीं। बीमार होने की वजह से वो इस टूर्नामेंट से बीच में ही हट गई थीं। 26 साल की ओसाका जनवरी 2023 में घोषणा की कि वह मां बनने वाली हैं और जुलाई में उन्होंने बेटी शाई को जन्म दिया। ओसाका 2019 और 2021 में ऑस्ट्रेलियन आपने चैंपियन बनी थीं।

विदेशी क्रिकेटरों को मिलेगी करोड़ों की रकम

कल से होगा महिला प्रीमियर लीग ऑक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग के अगले सीजन के लिए 9 दिसंबर को ऑक्शन होगा. यहां 30 स्लॉट्स के लिए पांचों फ्रेंचाइजी के पास कुल 17.65 करोड़ रुपए उपलब्ध हैं. दिसंबर को होगा महिला प्रीमियर लीग ऑक्शन, इन 6 विदेशी क्रिकेटरों को मिल सकती है करोड़ों की रकम महिला प्रीमियर लीग के लिए होने वाले मिनी ऑक्शन में ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ सबसे महंगी खिलाड़ी बन सकती हैं. इनकी बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं. ऑलराउंडर इंटरनेशनल क्रिकेट में अब तक 23 की औसत से 764 रन बना चुकी है और 20 की औसत से 45 विकेट चटका चुकी हैं. वेस्टइंडीज की 32 वर्षीय डेंड्रा डॉटिन इस ऑक्शन में सबसे ज्यादा बेस प्राइस वाली दूसरी खिलाड़ी हैं. इनका बेस प्राइस भी 50 लाख रुपए है. इस ऑलराउंडर ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 25 की औसत से 2697 रन बनाए हैं. वहीं गेंदबाजी में इस खिलाड़ी ने 19 की औसत से 62 विकेट चटकाए हैं. ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए पहचानी जाती हैं. 22 वर्षीय यह खिलाड़ी टी20 इंटरनेशनल में 144 की स्ट्राइक रेट से रन जड़ती हैं. निश्चित तौर पर यह खिलाड़ी बड़ी रकम पर जाने वाली हैं. ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज जॉर्जिया वेरहम टी20 इंटरनेशनल में 46 मैचों में 16 की लाजवाब बॉलिंग एवरेज से 44 विकेट चटका चुकी हैं. 24 वर्षीय इस स्पिनर पर ऑक्शन में पैसे बरस सकते हैं. इंग्लैंड की विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स को इंटरनेशनल क्रिकेट का अच्छा अनुभव है. एमी ने 91 टी20 मैचों में 121 की दमदार स्ट्राइक रेट से 1327 रन जड़े हैं. इनकी बेस प्राइस 40 लाख है लेकिन नीलामी में इनकी वैल्यू करोड़ों में लग सकती है. दक्षिण अफ्रीका की 35 वर्षीय तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल पर भी जमकर पैसे बरस सकते हैं. यह खिलाड़ी 113 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 18 की औसत से 123 विकेट चटका चुकी हैं।

मेट्रो बाजार

हुंडई कंपनी कारों के अलग-अलग मॉडल के अनुसार बढ़ाएगी कीमतें

नईदिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स के बाद हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने भी अपने लाइनअप में शामिल सभी गाड़ियों के दाम बढ़ाने का ऐलान किया है। दोनों ऑटोमेकर ने यह फैसला बढ़ती महंगाई, कमोडिटी कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और इनपुट कॉस्ट बढ़ने के कारण लिया है।

बढ़ी हुई कीमतें 1 जनवरी-2024 से लागू होंगी। हालांकि, कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी के स्केल को नहीं बताया है, लेकिन कीमतें कारों के मॉडल के अलग-अलग वैरिएंट के अनुसार बढ़ाई जाएंगी।

चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर तरुण गर्ग ने कहा, कंपनी हमेशा मेकिंग कॉस्ट को जहां तक संभव हो खुद वहन करने की कोशिश करती है, ताकि कस्टमर्स पर बोझ न पड़े। हालांकि, अब बढ़ती इनपुट कॉस्ट के कारण दाम बढ़ाना अनिवार्य हो गया है। कंपनी के लाइनअप में ग्रैंड निओस से लेकर इलेक्ट्रिक एसयूवी तक शामिल है। इनकी कीमत 5.84 लाख रुपए से 45.95 लाख रुपए के बीच है। हुंडई मोटर इंडिया को सेल्स के मामले में नवंबर में सालाना आधार पर 3 फीसदी की ग्रोथ मिली। पिछले महीने उसने कुल 65,801 गाड़ियां बेचीं। नवंबर 2022 में ये आंकड़ा 64,003 यूनिट्स का था। कंपनी की कुल सेल्स में 60 फीसदी योगदान एसयूवी सेगमेंट की कारों का रहा। साल के आखिर में लगभग सभी कार कंपनियां नए साल से अपनी गाड़ियों के दाम बढ़ाने का ऐलान करती हैं। इससे पहले मारुति सुजुकी, टाटा, ऑडी, महिंद्रा, होंडा और स्ल मोटर इंडिया एक जनवरी से अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी का एलान कर चुकी हैं।

गूगल का पावरफुल एआई मॉडल जेमिनी लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। टेक कंपनी गूगल ने चैटजीपीटी को टक्कर देने के लिए अपने नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल, जेमिनी को लॉन्च कर दिया है। ये एआई टूल इंसानों की तरह व्यवहार करने के लिए डिजाइन किया गया है। गूगल का दावा है कि जेमिनी समझने, तर्क करने, कोडिंग और प्लानिंग करने जैसे कामों में अन्य मॉडलों से बेहतर तरीके से करता है। कंपनी के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि यह गूगल में एआई के एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंन इसे जेमिनी युग बताया। जेमिनी गूगल का लेटेस्ट लार्ज लैंगवेज मॉडल है। पिचाई ने पहली बार जून में डेवलपर कॉन्फ्रेंस में इसे टीज किया था और अब इसे पब्लिक के लिए लॉन्च किया है। इसे तीन वर्नज- प्रो, अल्ट्रा और नेनो में पेश किया गया है। जेमिनी नेनो लाइटर वर्जन है जो एंड्रॉइड डिवाइस के लिए है। पिक्सल 8 प्रो यूजर्स को इससे कुछ नए फीचर्स मिलेंगे। जेमिनी प्रो एक बेहतर वर्जन है जो जल्द ही सर्विसेज को पावर करेगा। बार्ड अब जेमिनी प्रो से पावर्ड है। जेमिनी अल्ट्रा गूगल का सबसे शक्तिशाली स्लहै। इसे डेटा सेंटर्स और एंटरप्राइज़ एप्लीकेशन के लिए बनाया गया है। जेमिनी को तीन साइज में लॉन्च किया गया है। सभी को अलग-अलग उद्देश्यों के लिए बनाया गया है। गूगल ने बताया कि जेमिनी के साथ इंट्रीग्रेट किया चैटबॉट बार्ड भारत सहित 170 देशों में अंग्रेजी भाषा में अवेलेबल हो गया है। आप जेमिनी-ऑपरेटेड बार्ड के साथ टेक्स्ट-बेस्ड बातचीत कर सकते हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

आसिम से ब्रेकअप पर यूजर बोले- हिमांशी ने ये सब फेम के लिए किया

आसिम रियाज से ब्रेकअप के बाद हिमांशी खुराना सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हो रही हैं। रियलिटी शो 'बिग-बॉस' 13 के दौरान दोनों रिलेशनशिप में आए थे। बता दें एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर ब्रेकअप की खबर दी और उनके ब्रेकअप का कारण धर्म बताया। इसके बाद से आसिम के फैंस उन्हें ट्रेल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा जब आप 4 साल तक उनके साथ थी तब आपको अलग धर्म की जानकारी नहीं थी। यूजर का मानना है कि उन्होंने ये सब फेम और पैसे के लिए किया है। इस पूरे मामले के बाद एक्ट्रेस ने एक्स (ट्विटर) अकाउंट डिलीट कर दिया है। शो के बाद आसिम और हिमांशी ने एक दूसरे को लगभग 4 साल तक को डेट किया। एक्ट्रेस का कहना है कि दोनों के अलग-अलग धर्म होने की वजह से ऐसा फैसला लेना पड़ा। उनके इस पोस्ट के बाद आसिम के फैंस उन्हें ट्रोल करने में लगे हैं।

हिमांशी ने शेयर कर दी थी चैट

हिमांशी खुराना खुद को सही साबित करने के लिए सोशल मीडिया पर आसिम के साथ हुई पर्सनल चैट शेयर कर दी। लेकिन इसकी वजह से उन्हें और ज्यादा ट्रोल होना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि पर्सनल चैट कौन दिखाता है। फिलहाल हिमांशी खुराना ने अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिया है।

आसिम रियाज ने नहीं दिया कोई बयान

ब्रेकअप के बाद आसिम के फैंस हिमांशी खुराना को बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस को कमेंट कर लिखा- जब आपने 4 साल पहले प्यार किया तब नहीं लगा था आपको कि धर्म अलग है... अब आपको फेम मिल गया है तो धर्म अलग है नाम का टैग लगा दिया। इसके अलावा भी यूजर्स अलग-अलग तरह की बातें कर रहे हैं। कपल के फैंस ब्रेकअप की खबर से शॉक्ड हैं। इसपर आसिम रियाज की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया।

पोस्ट शेयर करके दी थी ब्रेकअप की खबर

हिमांशी ने लिखा- हां, अब हम एक साथ नहीं हैं। हमने जो भी समय एक साथ बिताया था, वो बहुत अच्छा था, मगर अब हम दोनों अलग हो गए हैं। हमारी रिलेशनशिप की जर्नी शानदार थी, लेकिन अब हम दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रहे हैं। हम अपने- अपने धर्म का सम्मान करते हुए, अपनी अलग-अलग धार्मिक मान्यताओं की वजह से प्यार की कुर्बानी दे रहे हैं। हमारे मन में एक-दूसरे के खिलाफ कुछ भी नहीं है। हम आपसे रिक्वेस्ट करते हैं कि हमारी प्राइवसी की रेस्पेक्ट की जाए.. हिमांशी।

जाह्नवी कपूर ने फिल्म 'द आर्चीज' के सभी किरदारों की तारीफ की

फिल्म 'द आर्चीज' रिलीज कर दी गई है। फिल्म रिलीज से दो दिन पहले मुंबई में नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी। वहीं 'द आर्चीज' की एक्ट्रेस खुशी कपूर को सपोर्ट करने उनकी बहन जाह्नवी कपूर भी नजर आई थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म के बारे में लिखा- द आर्चीज में एक खूबसूरत पुरानी यादों की दुनिया बनाई गई है। जाह्नवी अपनी बहन और सुहाना खान के डांस से कुछ ज्यादा ही इंप्रेस होती दिखाई दी हैं। वहीं अर्जुन कपूर ने कहा कि मैं फिर से उस दौर को जीना चाहता हूं। जाह्नवी ने लिखा कि खुशी को किसी ने हर्ट किया तो मैं उसके लिए हथियार उठा सकती हूं। लेकिन बेट्टी कूपर को किसी ने हर्ट किया तो मैं उसके लिए कुछ भी कर दूंगी। बता दें खुशी फिल्म में बेट्टी कूपर का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने लिखा इस कैरेक्टर में जो ईमानदारी और प्योरिटी दिखाई गई है उसने मेरा दिल चुरा लिया है। वो इस कैरेक्टर से काफी इंप्रेस हुई हैं। वेरोनिका का किरदार निभा रही सुहाना खान के बारे में उन्होंने लिखा कि उनका किरदार बहुत ही मजेदार था। फिल्म में उन्होंने बहुत खूबसूरत डांस किया है। एक्ट्रेस ने अगस्त्य नंदा के बारे में कहा कि उन्होंने बहुत नैचुरल एक्टिंग की है। मीहिर आहुजा के कॉमिक टाइमिंग की तारीफ की। जाह्नवी ने फिल्म के बाकी कैरेक्टर्स वेदांग रैना, युवराज मेंडा समेत सभी की प्रशंसा की है। एक्टर अर्जुन कपूर ने 'द आर्चीज' कॉमिक बुक पढ़ते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने सबसे पहले अतीत की यादों को ताजा करवाने के लिए फिल्म की प्रोड्यूसर जोया अख्तर और रीमा कागती की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें द आर्चीज की दुनिया से उन्हें प्यार हो गया और वह फिर से 18 साल का महसूस करना चाहते थे। वापस उसी दौर में जाना चाहते हैं।

करण जौहर ने कहा- सिद्धार्थ और कियारा की शादी बहुत फिल्मी थी

इस साल 7 फरवरी को सिद्धार्थ और कियारा ने जैसलमेर में शादी की। दोनों की शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब ट्रेंड हुआ था। वीडियो में जहां एक तरफ कियारा स्टेज पर डांस करती हुई आ रही थीं। वहीं दूसरी तरफ सिद्धार्थ अपनी कलाई में बंधी 'घड़ी' को देखते नजर आए थे। कियारा ने हाल ही में 'कॉफी विद करण' शो में इस वीडियो के बारे में बात की। उन्होंने हंसते हुए कहा- दरअसल बारात बहुत जल्दी आ गई थी, और मैं लेट हो गई थी। कियारा ने आगे कहा- मैं शादी के लिए तैयार हो रही थी। इस बीच अपनी ब्राइड्स मेड के साथ मुझे कुछ फोटोज भी क्लिक करानी थी। मेरे पास उनके (ब्राइड्स मेड) साथ की एक फोटो भी नहीं थी। हालांकि मेरी दोस्तों ने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट की थी जहां वे सभी कह रही थीं कि हम कसम खाते हैं कि शादी में दुल्हन थी, बस हमें दुल्हन के साथ एक भी तस्वीर नहीं मिल पाई। इसी वजह से मैं लेट हो गई थी। शो कॉफी विद करण के 7वें एपिसोड में विक्की कौशल और कियारा आडवाणी नजर आए। इस दौरान करण ने कियारा और सिद्धार्थ की शादी का जिक्र किया। उन्होंने कहा- सिद्धार्थ-कियारा की शादी बहुत खास और अतरंगी थी। उन दोनों का स्टेज पर मिलना भी बहुत फिल्मी था। मुझे नहीं लगता कि दोनों की स्टेज पर इस तरह की एंट्री प्लान की गई थी। सिद्धार्थ ने कॉफी विद करण शो में बताया था कि वे अपनी और कियारा की शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर नहीं पोस्ट करना चाहते थे। कियारा और डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने सिद्धार्थ को वीडियो पोस्ट करने के लिए राजी किया था। सिद्धार्थ ने कहा- मैं वीडियो डालने के बिल्कुल खिलाफ था।

स्पेशल ब्रांच के एसआई के घर खिड़की काटकर घुसे चोर, जेवरात, नकदी चुराई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित रेडियो कॉलोनी भदभदा में रहने वाले स्पेशल ब्रांच के एसआई के सूने मकान से बदमाश दिनदहाड़े दस हजार रुपए की नगदी और जेवरात चुराकर ले गए। घटना बुधवार दोपहर पौने चार बजे से सात बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आकाश भदौरिया (28) जी-7, 2/102 रेडियो कॉलोनी, भदभदा में रहते हैं। वे स्पेशल ब्रांच में पदस्थ हैं और उनकी पोस्टिंग पुलिस मुख्यालय में है। उनकी पत्नी फिंगर प्रिंट शाखा में सब इंस्पेक्टर है। फिलहाल वह मातृत्व अवकाश पर हैं और अपने गांव में है। आकाश ने पुलिस को बताया कि बुधवार दोपहर वह घर पर खाना खाने आए थे। पौने चार बजे शाम को वह घर के मुख्य गेट पर ताला लगाकर ड्यूटी चले गए। वहां से शाम करीब सात बजे घर लौटे तो मुख्य गेट पर लगा ताला लगा हुआ था, लेकिन खिड़की कटी हुई थी।

फाइल फोटो

लकड़ियां काट रहे थे कुछ लोग

आकाश भदौरिया ने बताया कि पत्नी अवकाश पर गई हुई है और वह कुछ जेवरात अपने साथ ले गई है। नहीं तो वह जेवरात भी बदमाश चुराकर ले जाते। बदमाश घर से दस हजार रुपए की नगदी और जेवरात लेकर गए है। उन्होंने बताया कि दो दिन दिन से एक महिला और कुछ युवक क्वार्टर से कुछ दूरी पर कॉलोनी में लकड़िया काट रहे थे। अनुमान है कि उन्होंने ही वारदात को अंजाम दिया है। उल्लेखनीय है कि रेडियो कॉलोनी में यह कोई पहली वारदात नहीं है। इससे पहले भी बदमाश कॉलोनी में नकबजनी की वारदात कर चुके है।

हमीदिया अस्पताल परिसर से फायर हाईड्रेट सिस्टम के वाल्व और नोजल चोरी

हमीदिया अस्पताल परिसर में लगे फायर हाईड्रेट सिस्टम के वाल्ब और नोजल चोरी करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया है। इस दौरान मुख्य आरोपी चोरी का माल लेकर भाग निकला, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने सुरक्षा अधिकारी की रिपोर्ट पर तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक महेंद्र लोधी (37) कोतवाली जिला विदिशा के रहने वाले हैं। फिलहाल वह एजाइल सिक्योरिटी फोर्स की तरफ से हमीदिया अस्पताल में सुरक्षा अधिकारी हैं। बुधवार को सुबह सात से तीन बजे तक उनकी ड्यूटी थी। महेंद्र ने पुलिस को बताया कि पिछले कुछ समय से जीएमसी बिल्डिंग में लगे फायर हाईड्रेट सिस्टम के वाल्ब और नोजल चोरी होने की शिकायतें सिक्योरिटी गार्ड द्वारा की जा रही थी। बुधवार सुबह करीब ग्यारह बजे वह गार्डों को चैक कर रहे थे, तभी देखा कि जीएमसी बिल्डिंग में स्थित आडीटोरियम के पीछे तीन संदिग्ध लड़के घूम रहे हैं। इनमें से एक लड़के के पास झोला था। उसने आडीटोरियम के पास लगे फायर हाईड्रेट सिस्टम का वाल्ब और नोजल निकालकर अपने झोले में रख लिया। धर्मेंद्र ने आसपास लगे गार्डों को बुलाया और लड़कों की घेराबंदी की। इस दौरान झोले वाला लड़का मौके से भाग निकला, लेकिन दो लड़कों को गार्डों ने पकड़ लिया। पूछताछ पर उन्होंने अपने नाम संतोष और दीपक बानखेड़े बताए। मौके से फरार हुआ युवक का नाम दीपक पवार बताया गया है। वह पहले हमीदिया अस्पताल में मौजदूरी करता था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

शातिर बदमाशों से चोरी के दोपहिया वाहन बरामद

तलैया पुलिस ने शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के तीन दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। एक आरोपी पहले भी वाहन चोरी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। पुलिस के मुताबिक इलाके में होने वाली वाहन चोरी की घटनाओं को रोकने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई गई थी। गुरुवार को पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के बाद मो. असद (19) निवासी फूटा मकबरा थाना हनुमानगंज और अकबर खान (19) निवासी कारगिल कालोनी हाल निवासी तलैया को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से तलैया इलाके से चोरी हुई तीन दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं।

खंडवा जेल ब्रेक मामला

अबू फैजल को आजीवन कारावास की सजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एनआईए कोर्ट के न्यायाधीश रघुवीर प्रसाद पटेल की अदालत ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) की मप्र इकाई के प्रमुख अबू फैजल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर न्यायालय ने 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। न्यायालय ने 2013 में खंडवा जेल ब्रेक के बाद पुलिसकर्मियों की हत्या के प्रयास, पुलिस की कार और रिवाल्वर छीनने सहित अन्य आरोपों के मामले में सुनवाई करते हुए उक्त आरोपी को यह सजा सुनाई है। अबू फैजल को पहले भी 8 मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। दिसंबर में बढ़वानी से पकड़ा गया। अबू और उसके अन्य साथी भोपाल सेंट्रल जेल में बंद थे। 1 अक्टूबर 2013 को फैजल अन्य पांच कैदियों के साथ 14 फीट की दीवार फांदकर खंडवा जिला जेल से भाग निकला था। भागने के घंटों बाद तक अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी, जबकि सातवें कैदी ने अगले दिन आत्मसमर्पण कर दिया और फैजल को दिसंबर में बड़वानी से पकड़ा गया। अबू के साथी 2016 में एक मुठभेड़ में मारे गए थे।

बाइक सवार लुटेरों ने नर्सिंग ऑफिसर का मोबाइल लूटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित भगत सिंह चौराहा पर बुधवार रात बाइक सवार लुटेरों ने एम्स के नर्सिंग ऑफिसर का मोबाइल झपट लिया। लूटे गए मोबाइल की कीमत 10 हजार है। पुलिस ने उक्त मामले में चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार दिनेश कुमार पंचाल (32) मूलतः थाना दूनी, जिला टोंक राजस्थान के हैं। वे 9ए साकेत नगर में रहते हैं और एम्स में नर्सिंग ऑफिसर हैं। बुधवार रात वह भांजे विजय पंचाल के साथ शक्ति नगर स्थित व्यंजन रेस्टारेंट पर चाय पीने पहुंचे थे। रात करीब सवा 8 बजे के आसपास चाय पीने के बाद पैदल भगत सिंह चौराहा की तरफ पैदल लौट रहे थे। इसी बीच पीछे से आई बाइक पर दो बदमाशों में पीछे बैठे बदमाश ने उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बदमाश तेजी से बाइक चलाकर भाग निकले। बाइक चलाने वाला बदमाश काली शर्ट पहने था, जबकि पीछे बैठा बदमाश पीले कलर की जरकिन पहने था। बदमाश की हल्के काले रंग की स्पोर्ट्स बाइक से आए थे। सबकुछ एकाएक हुआ और अंधेरे होने के कारण अंधेरा होने के कारण दिनेश उसका नंबर नहीं देख सके।

फर्नीचर व्यापारी पर अज्ञात बदमाशों ने किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा इलाके में दुकान बंद कर कार से घर लौट रहे फर्नीचर व्यवसायी पर दो अज्ञात बदमाशों ने बेसबाल के डंडे से हमला कर दिया और रिपोर्ट नहीं करने की धमकी देकर भाग निकले। हमला करने का कारण और आरोपियों का कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज कर लिया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक भरत शाह (31) इंद्रप्रस्थ कालोनी कोहेफिजा में रहते हैं। वह बैरागढ़ में स्टील फर्नीचर की दुकान चलाते हैं। पांच दिसंबर की रात करीब साढ़े नौ बजे भरत अपनी दुकान बंद कर कार से घर लौट रहे थे। वह जैसे ही एयरपोर्ट रोड पर पंचवटी कालोनी स्थित पुल के नीचे पहुंचे, वैसे ही पीछे से दो लड़कों ने उनकी कार में बाइक से टक्कर मार दी। भरत कार रोककर बाहर निकले तो दोनों लड़कों ने बगैर कोई बातचीत किए बेसबाल के डंडे से मारपीट करनी शुरू कर दी। वह कुछ समझ पाते, इसके पहले ही दोनों बदमाश रिपोर्ट नहीं करने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। उसके बाद भरत कार चलाते हुए पास के निजी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टर से इलाज करवाने के बाद घर चले गए। अगले दिन अरेरा कालोनी स्थित निजी अस्पताल पहुंचकर चैकअप करवाया और वापस घर लौटने के बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने भरत शाह के बयान लेने के बाद अज्ञात दो आरोपियों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज कर लिया। दोनों बदमाशों की पहचान के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

दो किन्नर को बंधक बनाकर पीटा, प्रकरण दर्ज, आटो में बंधक बनाकर घुमाते रहे, मंगलवारा ले जाकर छोड़ा

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित खुशीपुरा में नेग मांगने गए दो किन्नरों को किन्नरों के दूसरे समूह ने आटो में बंधक बना लिया। दोनों के बीच इलाके में नेग मांगने और वर्चस्व को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। पीड़ित किन्नर काजल मुंबईया किन्नर गिरोह से संबंध रखते हैं। आरोपियों ने पहले बीच सड़क पर मारपीट की और उसके बाद किन्नरों को ऑटो में बंधक बनाकर शहर घुमाते रहे। मारपीट के बाद आरोपियों ने उन्हें मंगलवारा में छोड़ दिया था। पुलिस ने बंधक बनाकर मारपीट करने का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार इमामीगेट पर किराए से रहने वाली किन्नर इच्छा उर्फ मनीषा कुशवाह (21) काजल बंबइया किन्नर गिरोह की सदस्य है। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे वह अपने साथी राशिद के साथ खुशीपुरा स्टेशन बजरिया इलाके में किशोरी पटेल के घर उनके बेटे की शादी का नेग मांगने पहुंची। इसकी भनक दूसरे किन्नर समूह के सुमन, सुरेन्द्र, रोशनी व शीतल को लगी और वह भी पहुंच गए। आरोपी किन्नरों का आरोप था कि वह इलाका उनका है। यहां नेग मांगने का अधिकार सिर्फ उन्हें है। इसके अलावा उनका आरोप था कि मनीषा कुशवाह और उसके साथ नेग के नाम पर अड़ीबाजी कर रहे थे। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ और सुमन, सुरेन्द्र, रोशनी व शीतल ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

रेलवे स्टेशन के पास भटक रही महिला को सकुशल घर पहुंचाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रेलवे स्टेशन के पास भटक रही एक बुजुर्ग महिला को डायल 100 स्टाफ ने परिजनों से मिलवा दिया। महिला मानसिक रूप से कमजोर थी। जानकारी के अनुसार बुध्रवार रात राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि 65 साल की एक बुजर्ग महिला भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक06 के बाहर बैठी हुई है। सूचना मिलते ही हनुमानगंज थाने की डायल 100 पर तैनात हेड कांस्टेबल नफीस और पायलट ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे। महिला से पूछताछ और बातचीत के दौरान पता चला कि वह मानसिक रूप से कमजोर है। पुलिस ने जब उसके सामान की तलाशी ली तो घर का मोबाइल नंबर मिला। पुलिस ने संबंधित मोबाइल पर संपर्क करके परिजनों को हनुमानगंज थाने बुलाया और महिला रुकमणी को उसके घरवालों को सुपुर्द कर दिया।

इंजीनियर ने की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के एमपी नगर में स्थित एक निजी दूरसंचार कंपनी में कार्यरत इंजीनियर ने आफिस में ही फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक के पास एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने खुद को मानसिक रूप से बीमार होने की बात लिखी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर छानबीन शुरू कर दी है। एमपी नगर पुलिस के मुताबिक पारस दाहिया (51) अवधपुरी में रहते थे। वह एमपी नगर जोन क्रमांक एक में स्थित निजी टेलीकाम कंपनी में इंजीनियर थे। गुरुवार सुबह करीब दस बजे वह अपने आफिस पहुंचे और कमरे में पंखे से तार का फंदा बनाकर फांसी लगा ली।

मेट्रो एंकर | दुआ की नमाज के लिए 11 दिसंबर को सुबह 6 बजे से होगी विशेष व्यवस्था

तब्लीगी इज्तिमा शुरू, राजधानी के कई रास्तों पर रहेगा ट्रैफिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तब्लीगी इज्तिमा का आयोजन आज से 11 दिसंबर तक घासीपुरा ईंटखेड़ी में शुरू हो गया है। इस समागम में देश और विदेश से लाखों जमाती शामिल हो रहे है। भोपाल पुलिस ने इज्तिमाई और आम लोगों की सुविधा के लिए तीन दिनों तक ट्रैफिक डायवर्सन प्लान तैयार किया है। दुआ की नमाज के दिन 11 दिसंबर को सुबह 6 बजे से विशेष व्यवस्था रहेगी। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि वह जरूरत नहीं होने पर इज्तिमा स्थल की ओर जाने से बचें और आवागमन के लिए परिवर्तित मार्ग का उपयोग करें। यातायात पुलिस के मुताबिक 11 दिसंबर को पुराने शहर से इज्तिमा स्थल की ओर आवागमन करने वाले मार्गो मुबारकपुर से पटेल नगर नया बायपास, गांधीनगर से अयोध्या नगर बायपास, रत्नागिरी, लाम्बाखेड़ा से करोंद, भोपाल टाकीज, पीरगेट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी चौराहा, नादरा बस स्टैण्ड, भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन, अल्पना तिराहा, भारत टाकीज, बोगदा पुल आदि क्षेत्रों में भारी संख्या में जनसमुदाय एवं वाहनों के सड़कों पर होने से अत्यधिक यातायात दबाव रहेगा। लोगों की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्ग का उपयोग किया जा सकता है।

इज्तिमा में वाहनों की पार्किंग व्यवस्था

विदिशा से आने वाले वाहन लामाखेड़ा बायपास चौराहा होकर निर्धारित पार्किंग में पार्क किए जाएंगे। सीहोर राजगड़ की तरफ आने वाले वाहन मुबारकपुर से मीना चौराहा होकर पार्किंग स्थल पहुंचेंगे। भोपाल से आने वाले वाहन लामाखेड़ा बायपास चौराहा होकर पार्किंग स्थल पहुंचेंगे। बैरसिया की तरफ से आने वाले वाहन गोलखेड़ी जोड़ होकर इज्तिमा स्थल की पार्किंग पर पहुंचेंगे।

राजाभोज एयरपोर्ट से भोपाल रेलवे स्टेशन

भोपाल शहर से एयरपोर्ट की तरफ जाने वाले वाहन भदभदा चौराहा, नीलबड़, रातीबड़, झागरिया रोड से खजूरी बायपास और मुबारकपुर होकर जा सकेंगे। इसी प्रकार रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाले वाहन रोशनपुरा से बोर्ड आफिस चौराहा, चेतक ब्रिज, प्रभात चौराहा, अस्सी फीट रोड से प्लेटफार्म क्रमांक एक की तरह आवागमन कर सकेंगे।

ऐसा रहेगा बाहर से आने वाली बसों का डायवर्सन

सागर, छतरपुर, दमोह, रायसेन, होशंगाबाद, जबलपुर, छिंदवाडा, बैतूल की तरफ से आने वाली बसें मिसरोद, आरआरएल तिराहा, हबीबगंज नाका, सांची दुग्ध संघ होते हुए आईएसबीटी पहुंचेंगी। इसके आगे नादरा बस स्टैंड की तरफ बसों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इंदौर से आने वाली बसें हलालपुरा बस स्टैंड का उपयगो करेंगी। गुना, राजगढ़ ब्यावरा से आने वाली बसें श्यामपुर, परवलिया होकर मुबारकपुर बायपास से खजूरी सड़क बैरागढ़ होकर हलालपुरा पहुंचेंगी। विदिशा से आने वाली बसें सूखी सेवनिया से भानपुर चौराहा पर समाप्त होंगी। बैरसिया से आने वाली बसें तारा सेवनिया से परवलिया रोड, मुबारकपुर, खजूरी सड़क होकर हलालपुरा बस स्टैंड पहुंचेंगी। इसके आगे शहर के भीतर सभी प्रकार की बसों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022